लखनऊ
हिंदी दैनिक
आर्यावर्त क्रांति
सोमवार 26 जनवरी, 2026
वर्ष : 11 । अंक: 157
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

अर्जुन की तरह आप अपना चित्त केवल लक्ष्य पर केन्द्रित करें, एकाग्रता ही आपको सफलता दिलायेगी।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi | NIGHT 10° Low

संक्षेप

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली में बड़ी साजिश की आशंका पर पुलिस का प्रहार, 94 ठिकानों पर रेड; हथियार और ड्रग्स के साथ 70 गिरफ्तार

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह से ठीक पहले राजधानी दिल्ली की सुरक्षा चाक-चौबंद करने और किसी भी संभावित साजिश को नाकाम करने के लिए दिल्ली पुलिस पूरी तरह एक्शन मोड में है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने अपराधियों और असामाजिक तत्वों की कमर तोड़ने के लिए 'ऑपरेशन कवच-12 के तहत एक बड़े अभियान को अंजाम दिया है। पुलिस ने एक ही रात में 94 अलग-अलग ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए 70 संदिग्धों और अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इस औचक कार्रवाई से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, 26 जनवरी के मद्देनजर सुरक्षा एजेंसियों को राजधानी में कुछ संदिग्ध गतिविधियों के इनपुट मिले थे। इसी आधार पर हाई अलर्ट जारी किया गया था। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 78 विशेष टीमों का गठन किया। इन टीमों ने योजनाबद्ध तरीके से जिले के संवेदनशील इलाकों में एक साथ दबिश दी। पुलिस का मकसद यह सुनिश्चित करना था कि अपराधी किसी भी तरह की गतिविधि को अंजाम न दे सकें। इस सघन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने सड़कों पर नाकेबंदी कर कई संदिग्ध वाहनों को रोका और उनकी तलाशी ली। जांच में कुछ गाड़ियों से आपत्तिजनक सामान मिलने पर उन्हें तुरंत जब्त कर लिया गया। छापेमारी में पकड़े गए 70 आरोपियों के पास से पुलिस ने अवैध हथियार, भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और नकदी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि गिरफ्तार किए गए कई लोग पहले से आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और वे गणतंत्र दिवस से पहले किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकते थे।

अविमुक्तेश्वरानंद में अहंकार काफी है और ज्ञान शून्य, माघ मेले में हुए विवाद पर बोलीं ममता कुलकर्णी

प्रयागराज । माघ मेला इन दिनों अपने धार्मिक महत्व के साथ-साथ विवादों और बयानों को लेकर भी सुर्खियों में है। साधु-संतों के आचरण, परंपराओं और अधिकारों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी ने आईएएनएस से बात की। उन्होंने अपने आध्यात्मिक जीवन के साथ-साथ माघ मेले से जुड़े ताजा विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। ममता कुलकर्णी ने माघ मेले में शामिल न होने को लेकर कहा, मेरा जीवन अब पूरी तरह साधना और तप में समर्पित है। मैं पिछले 25 साल से तप कर रही हूं। रोजाना गंगा जल से स्नान करती हूं और उसके बाद ही पूजा-पाठ करती हूं। इस समय गुप्त नवरात्र चल रही हैं और नवरात्र के दौरान मैं कहीं भी बाहर नहीं जाती। इसी वजह से मैं माघ मेले में नहीं पहुंच सकी। इंटरव्यू के दौरान जब उनसे माघ मेले में पालकी रोके जाने के विरोध में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के धरने पर सवाल पूछा गया तो ममता कुलकर्णी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, इस पूरे मामले में शंकराचार्य की वजह से उनके शिष्यों को लात-घूंसे खाने पड़े।

भारत में दुनिया तीसरा बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम...मन की बात में बोले मोदी- भक्ति को हल्के में न लें

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज (25 जनवरी 2026) को साल 2026 के अपने रेडियो कार्यक्रम में कई मुद्दों पर बात की। उनका यह 130 वां एपिसोड था। पीएम मोदी ने गणतंत्र दिवस, मतदाता दिवस, स्टार्टअप इंडिया, पर्यावरण और श्रीअन्न समेत विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। पीएम ने इस कार्यक्रम में ही मतदाता दिवस की बधाई भी दी है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं अपने उन सभी युवा साथियों को सैल्यूट करता हूं, जो किसी न किसी स्टार्टअप से जुड़े हैं या नया स्टार्टअप शुरू करना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज 25 जनवरी का दिन भी बहुत अहम है। आज नेशनल वोटर्स डे है, मतदाता दिवस है। मतदाता ही लोकतंत्र का आत्मा होता है। जब भी कोई युवा पहली बार मतदाता बने तो पूरा मोहल्ला, गांव या फिर शहर एकजुट होकर उसका अभिनंदन करे और मिठाइयां बांटी जाएं। इससे लोगों में voting के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। 18 साल का होने पर voter के रूप में खुद को जरूर register करें।

तमसा नदी को लेकर क्या बोले पीएम मोदी?

पीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ से होकर गुजरने वाली तमसा नदी को लोगों ने नया जीवन दिया है। अयोध्या से निकलकर गंगा में समाहित होने वाली यह नदी कभी इस क्षेत्र के लोगों के जन-जीवन की धुरी हुआ करती थी, लेकिन प्रदूषण की वजह से इसकी अविरल धारा में रुकावट आने लगी थी। इसके बाद यहां के लोगों ने इसे एक नया जीवन देने का अभियान शुरू किया। नदी की सफाई की गई और उसके किनारों पर छायादार, फलदार पेड़ लगाए गए। स्थानीय लोग कर्तव्य भावना से इस काम में जुटे और सबके प्रयास से नदी का पुनरुद्धार हो गया।

जलाशयों को कैसे मिला जीवनदान?

पीएम ने अपने कार्यक्रम में कहा कि आंध्र-प्रदेश का अनंतपुर जो सूखे की गम्भीर समस्या से जूझता रहा है। यहां की मिट्टी, लाल और बलुई है। यही वजह है कि लोगों को पानी की कमी का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिये स्थानीय लोगों ने जलाशयों को साफ करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि फिर प्रशासन के सहयोग से यहां 'अनंत नीरू संरक्षणम प्रोजेक्ट' इसकी शुरुआत हुई। इस प्रयास के तहत 10 से अधिक जलाशयों को जीवन दान मिला है। उन जलाशयों में अब पानी भरने लगा है। इसके साथ ही 7000 से अधिक पेड़ भी लगाए गए हैं। यानि अनंतपुर में जल संरक्षण के साथ-साथ green cover भी बढ़ा है।

एमपी के इस बीटगार्ड की पीएम ने की तारीफ

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के एक बीट गार्ड की जमकर तारीफ की है। पीएम ने कहा कि मध्य प्रदेश में पन्ना जिले के जगदीश प्रसाद अहिरवार, उनका प्रयास भी बहुत ही सराहनीय है। वो जंगल में beat-guard के रूप में अपनी सेवाएं देते हैं। आगे कहा कि एक बार गश्त के दौरान उन्होंने महसूस किया कि जंगल में मौजूद कई औषधीय पौधों की जानकारी कहीं भी व्यवस्थित रूप से दर्ज नहीं है।जगदीश ये जानकारी अगली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने, औषधीय पौधों की पहचान करना और उनका record बनाना शुरू किया। उन्होंने सवा-सौ से ज्यादा औषधीय पौधों की पहचान की, हर पौधे की तस्वीर, नाम, उपयोग और मिलने के स्थान की जानकारी जुटाई।

VB-G RAM G पर भी बोले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यक्रम में VB-G RAM G बिल पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि VB – G RAM G यानी रोजगार की पक्की गारंटी! कांग्रेस और उसके दरबारी आज मनरेगा-मनरेगा का शोर मचा रहे हैं। लेकिन, क्या उन्होंने देश की जनता को यह सच्चाई बताई कि 2009 से पहले, इस योजना में महात्मा गांधी का नाम तक नहीं था। आगे कहा कि महात्मा गांधी के नाम पर योजनाएं बनाकर कांग्रेस ने भ्रष्टाचार, लूट और सरकारी धन का दुरुपयोग कर देश को गर्त की ओर धकेला है। कांग्रेस की योजनाओं में गरीबी हटाओ के नारे तो थे, लेकिन गरीब को हमेशा गरीब ही बनाएं रखने का इंतजाम भी था। मगर आज, मोदी सरकार की नीतियों से तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि नए भारत और नए ग्रामीण भारत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मोदी सरकार ने "विकसित भारत- रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन – ग्रामीण यानी VB – G RAM G बिल" सामने रखा।

कैसे युवाओं ने हटाया कचरा?

प्रधानमंत्री मोदी ने ईटानगर के युवाओ के बारे में भी बात की है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश में हुए एक ऐसे ही अनूठे प्रयास के बारे में मुझे जानकारी मिली है। ईटानगर में युवाओं का समूह उन हिस्सों की सफाई के लिए एकजुट हुआ, जिन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत थी। इन युवाओं ने अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई को अपना mission बना लिया। आगे कहा कि असम के नागांव में वहां की पुरानी गलियों से लोग भावनात्मक रूप से जुड़े हैं। यहां कुछ लोगों ने अपनी गलियों को मिलकर साफ करने का संकल्प लिया। धीरे-धीरे उनके साथ और लोग जुड़ते गए। इस तरह एक ऐसी टीम तैयार हो गई, जिसने गलियों से बहुत सारा कचरा हटा दिया।

भक्ति को हल्के में नहीं लिया जाता- मोदी

भजन clubbing को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि यह खासतौर पर Gen Z के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। यह देखकर अच्छा लगता है कि इन आयोजनों में भजन की गरिमा और शुचिता का पूरा ध्यान रखा जाता है। भक्ति को हल्केपन में नहीं लिया जाता। ना शब्दों की मर्यादा टूटती है और ना ही भाव की।

भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा StartUp इको-सिस्टम

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा StartUp इको-सिस्टम बन चुका है। StartUp India की journey... इस अद्भुत journey के heroes हमारे युवा साथी हैं। अपने comfort zone से बाहर निकलकर उन्होंने जो innovation किए, वो इतिहास में दर्ज हो रहे हैं। AI, Space, Nuclear Energy, Semiconductors, Mobility, Green Hydrogen, Biotechnology आप नाम लीजिए और कोई न कोई भारतीय StartUp उस sector में काम करते हुए दिख जाएगा।

हम न्याय संस्था के स्वामी नहीं, सिर्फ अस्थायी संरक्षक हैं... सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने रविवार (25 जनवरी) को कहा कि न्याय एक जीवंत संस्था है जिसे निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून को न तो परिवर्तन का विरोध करना चाहिए और न ही बिना सोचे-समझे नवीनता को अपनाना चाहिए।

गोवा में आयोजित दो दिवसीय SCAORA अंतर्राष्ट्रीय विधि सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जो कानून परिवर्तन से सहमत नहीं होता यानी बदलाव से जुड़ने से इनकार करता है, वह शुद्ध नहीं रह जाता। वहीं जो कानून बिना सोचे-समझे हर नवीनता को अपना लेता है, वह भी अपने नैतिक केंद्र को खोने का जोखिम उठाता है।

सीजेआई ने जोर देकर कहा कि प्रत्येक कानूनी प्रणाली सदियों के संघर्ष, वाद-विवाद, समझौते और नैतिक साहस की विरासत है। उन्होंने कहा कि सवाल हमेशा बना रहेगा कि एक ऐसी दुनिया में न्याय अपने मूल सिद्धांतों के प्रति वफादार कैसे रह सकता है जो स्थिर रहने से इनकार करती है। उन्होंने कहा 'यह साझा जिज्ञासा ही मुझे न्याय के विषय की ओर ले जाती है, जो समय की कसौटी पर खरा उतरता है, बदलावों से परखा जाता है और इसमें सेवा करने वालों के सामूहिक अनुशासन से कायम रहता है'।

उन्होंने आगे कहा 'हर कानूनी व्यवस्था एक विरासत है और आज यहां एकत्रित हममें से किसी ने भी उन अदालतों का आविष्कार नहीं किया है जिनमें हम काम करते हैं, न ही उस प्रक्रिया का जिस पर हम भरोसा करते हैं और न ही उन सिद्धांतों का जिनका हम इतनी सहजता से उल्लेख करते हैं। हम सभी ने इन्हें सदियों के संघर्ष, बहस, समझौते और नैतिक साहस से प्राप्त किया है। यह विरासत विशेषाधिकार प्रदान करती है, लेकिन साथ ही संयम और जिम्मेदारियां भी थोपती है'। उन्होंने कहा कि यह हम सभी को याद दिलाता है कि हम न्याय संस्था के स्वामी नहीं हैं, बल्कि केवल अस्थायी संरक्षक हैं। CJI सूर्यकांत ने कहा कि एक जीवंत संस्था कोई संग्रहालय की वस्तु नहीं है, बल्कि अपने उद्देश्य को संरक्षित रखकर ही जीवित रहती है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन से दूर रहने वाला कानून शुद्ध नहीं रह जाता, वहीं बिना सोचे-समझे हर नवीनता को अपनाने वाला कानून भी अपने नैतिक केंद्र को खोने का जोखिम उठाता है। उन्होंने ने बताया कि निरंतरता और अनुकूलन के बीच यह नाजुक संतुलन SCAORA अंतर्राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन में लगभग हर चर्चा में अलग-अलग रूप में सामने आया है, चाहे वह न्यायालय में प्रौद्योगिकी की बढ़ती उपस्थिति, सीमा पार वाणिज्यिक विवादों में वृद्धि या सोशल मीडिया और त्वरित टिप्पणियों से उत्पन्न नैतिक चुनौतियों पर चर्चा हो।

राशिद अल्वी ने बता दी कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी, ओवैसी के उभार की वजह भी बताई

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व नेता डॉ शकील अहमद के कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल खड़ा करने के बाद अब कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने पार्टी नेतृत्व पर मुस्लिम नेताओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व मुस्लिम नेतृत्व को नरअंदाज कर रहा है। जिसकी वजह से कांग्रेस के कई मुस्लिम नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है और वे भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं। पार्टी छोड़ने की उनकी वजह सत्ता नहीं, वरन कांग्रेस के प्रति उनकी अवहेलना है और कांग्रेस के रवैये की वजह से देश में ओवैसी जैसे नेता आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में एक बड़ी प्रॉब्लम यह है कि कोई ऐसा फोरम नहीं है जहां मुद्दों पर बात की जा सके। नेताओं से मिलना आम तौर पर मुश्किल होता है। अगर लोग अपनी चिंताएं बताना चाहें, तो वे कहां जा सकते हैं?... निश्चित रूप से एक कम्युनिकेशन गैप है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी के अंदर एक बड़ी प्रॉब्लम है, और बहुत से लोग शिकायत करते हैं कि कांग्रेस हाईकमान से मिलना आसान नहीं है। कम्युनिकेशन गैप को निश्चित रूप से खत्म किया जाना चाहिए। राशिद अल्वी ने कहा कि कई मुस्लिम नेताओं ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी है, लेकिन कोई इस बात पर विचार नहीं कर रहा है कि एक भी नेता बीजेपी में शामिल नहीं हुआ। वे सत्ता के लिए नहीं गए, जबकि दूसरे गैर-मुस्लिम जिन्होंने कांग्रेस छोड़ी, वे सभी सत्ता के लिए गए और सभी बीजेपी में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कल, अगर कांग्रेस पार्टी सत्ता में आती है, तो वे वापस आकर कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। इसलिए, मुस्लिम नेताओं ने सत्ता के लालच में नहीं छोड़ा है। वे गए हैं, और यह चिंता की बात है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी में मुस्लिम लीडरशिप को नजरअंदाज किया गया है।

उन्होंने कहा कि मेरी अपनी पार्टी और दूसरी सेक्युलर पार्टियों को मेरा सुझाव यह है: अगर मुस्लिम लीडरशिप को नजरअंदाज किया जाता है, तो जैसे नेता ओवैसी देश में उभरते रहेंगे और आज, ओवैसी एक शक्तिशाली ताकत बन रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस के पूर्व नेता शकील अहमद ने शनिवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और पार्टी के सीनियर नेता राहुल गांधी भारतीय राजनीति में "सबसे असुरक्षित नेता" हैं।

मोदी ने कहा था कि चुनावी राजनीति नहीं करूंगा... राजीव शुक्ला बोले- मैंने नहीं सोचा था कि वो प्रधानमंत्री बनेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इंटरव्यू किया हुआ है। उन्होंने अब उससे जुड़ी बातें साझा की हैं। उन्होंने कहा है कि उनको दिए अपने पहले टीवी इंटरव्यू में नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वह चुनावी राजनीति नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि अरुण जेटली जी के घर पर हम मिलते थे तो मोदी से उस वक्त जान पहचान थी। हमारे साथ उनका टीवी प्रोग्राम शायद उनके लिए बड़ा एक्सपोजर था।

न्यूज एजेंसी ANI को दिए इंटरव्यू में राजीव शुक्ला ने बताया कि उस समय वो एमएलए नहीं बल्कि जनरल सेक्रेटरी थे। उस दौर में जाने-माने चेहरों का इंटव्यू बहुत होता था जैसे अटल और आडवाणी जी का। एक दिन मैंने उनका इंटरव्यू किया।

उन्होंने बताया कि उस समय इंटरव्यू में भी वो बकायदा एक छोटा सा कंप्यूटर लेकर आए थे। राजीव शुक्ला पत्रकार थे और रूबरू कार्यक्रम करते थे।

'20 साल तक वो कुछ भी नहीं रहे'

राजीव शुक्ला ने पीएम मोदी के साथ-साथ अरुण जेटली पर भी बात की। राजीव शुक्ला ने बताया कि जेटली जी का ऐसा नहीं था कि उन्हें चुनावी राजनीति नहीं करनी है। जेटली जी हुनर था कि वो बहुत ही शार्प थे। उन्हें चुनाव लड़ना और जीतना था। हम और जेटली जी राज्यसभा में 2000 में एकसाथ आए। मैं यूपी से था और वो गुजरात से थे। उन्होंने बताया कि जेटली जी से मेरी दोस्ती इससे पहले से थी। वो जब नारायणा विहार में रहते थे और वकील थे।

राजीव ने कहा कि जेटली जी को लेकर उस समय मुझे ये जरूर लगता था कि आदमी बड़ा काबिल है, लेकिन जनसंघ ने इसे बढ़ाया क्यों नहीं है। 1977 की जनता पार्टी की जो राष्ट्रीय कार्यकारिणी थी, उस समय जेटली इस कार्यकारिणी के सबसे युवा सदस्य थे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि 20 साल तक वो कुछ भी नहीं रहे। 20 साल के बाद एक तरह से उनका राजनीतिक उदय हुआ और वो पहले मिनिस्टर बने फिर राज्यसभा में अप्रैल 2000 में आए।

ये संगठन का काम करते थे

राजीव शुक्ला ने कहा कि मोदी जी संगठन के व्यक्ति थे। उनका काम था संगठन कैसे बढ़ाना है, राज्यों को कैसे जिताना है? ये सब काम करने में थे। उनका मानना था कि चुनावी राजनीति में नहीं आऊंगा, लेकिन एक ऐसी परिस्थिति बनी कि उन्हें गुजरात जाना पड़ा।

बेटियां आगे बढ़ रहीं, देश को दिशा दे रहे युवा... गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर बोलीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार (25 जनवरी) को देशवासियों को संबोधित किया । इस दौरान उन्होंने देशवासियों को बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने पिछले वर्ष देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने देश की बेटियों की उपलब्धियों का जिक्र किया।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत की लोकतांत्रिक यात्रा, संवैधानिक आदर्शों और साझा जिम्मेदारियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रमुख राष्ट्रीय उपलब्धियों को रेखांकित किया साथ ही स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने नागरिकों से एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और प्रगतिशील भारत की दिशा में सामूहिक रूप से कार्य करते हुए एकता, समावेशिता और दृढ़ता को

मजबूत करने का आग्रह किया।

वंदे मातरम का इतिहास

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वंदे मातरम का इतिहास बताते हुए यह गीत कहा कि हम, भारत के नागरिक, देश और विदेश में, गणतंत्र दिवस को पूरे उत्साह के साथ मनाएंगे। गणतंत्र दिवस का यह शुभ अवसर हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य में अपने देश की स्थिति और दिशा पर चिंतन करने का अवसर प्रदान करता है। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन की शक्ति ने 15 अगस्त, 1947 को हमारे देश की स्थिति बदल दी। भारत स्वतंत्र हुआ। हम अपने राष्ट्रीय भाग्य के निर्माता बने।

'देश दास प्रथा से मुक्त हुआ'

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि 26 जनवरी, 1950 से हम अपने गणतंत्र को संवैधानिक आदर्शों की ओर अग्रसर कर रहे हैं। उस दिन हमारा संविधान पूर्णतः लागू हुआ। लोकतंत्र की जन्मभूमि भारत, दास प्रथा से मुक्त हुआ और हमारा लोकतांत्रिक गणतंत्र अस्तित्व में आया। हमारा संविधान विश्व इतिहास के सबसे बड़े गणतंत्र का आधारभूत दस्तावेज है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श हमारे गणतंत्र को परिभाषित करते हैं। संविधान निर्माताओं ने संवैधानिक प्रावधानों के माध्यम से राष्ट्रवाद की भावना और देश की एकता के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया।

एकता की शक्ति पर प्रकाश डाला

उन्होंने अपने संबोधन में देशभक्ति की एकता की शक्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे राष्ट्रवादी कवि सुब्रमण्यम भारती ने अपनी तमिल रचना "वंदे मातरम येनबोम" के माध्यम से वंदे मातरम को लोकप्रिय बनाया, जिसका बाद में कई भारतीय भाषाओं में और श्री अरबिंदो द्वारा अंग्रेजी में अनुवाद किया गया।

अचला सप्तमी पर संगम स्नान के लिए उमड़ी भीड़, दोपहर 12 बजे तक 50 लाख श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। माघ मेले में रविवार को अचला सप्तमी पर श्रद्धालओं की भारी भीड़ उमड़ी। संगम पहुंचने के हर मार्ग पर भक्तों की भीड़ दिख रही है। मेले में सुरक्षा व्यवस्था के खासा इंतजाम हैं। मेले में वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। घाट पर पुलिस, पैरामिलिट्री, पीएसी और सिविल डिफेंस लोग तैनात हैं। स्नान के बाद श्रद्धालु श्री बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। जगह-जगह भंडारे का आयोजन चल रहा है। रविवार छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में स्थानीय लोगो भी पहुंचे हैं। इसके अलावा दूसरे जनपदों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मेला प्रशासन का अनुमान है कि अचला सप्तमी पर 50 लाख से अधिक श्रद्धालु स्नान कर सकते हैं।

संगम नोज समेत माघ मेला के घाटों पर रात से ही दर्शनार्थियों की भीड़ से मेला गुलजार हो गया है। सूर्योदय का इंतजार किए बना श्रद्धालुओं ने भोर से ही डुबकी लगानी शुरू कर दी। जिस ओर से श्रद्धालु पहुंचे उधर के ही घाट पर स्नान किया। गंगा यमुना सरस्वती की जय घोष के साथ श्रद्धालुओं ने पूजन अर्चन किया। भीड़ की वजह से लोग एक दूसरे का हाथ पकड़ कर चल रहे हैं। राम नाम संकीर्तन करते करने वाली भजन मंडलीय श्रद्धालुओं में भक्ति भाव का संचार पैदा कर रही हैं। संगम में डुबकी के साथ दान और ध्यान में रमे लोग रेती पर जम गए हैं। मेला प्रशासन ने दोपहर 12 बजे तक 50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान करने का दावा किया है। चौकस व्यवस्था के बीच संगम नोज समेत अन्य घाटों पर सुबह से ही ध्यान पूजा की होड़ मची हुई है।

मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन बना

अचला सप्तमी के पावन अवसर पर संगम सहित गंगा-यमुना के 24 से अधिक घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ है। मेला प्रशासन ने अनुमान जताया है कि इस दौरान 40 से 50 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाएंगे। वसंत पंचमी पर आए लाखों श्रद्धालु अभी भी मेला क्षेत्र के शिविरों में ठहरे हुए हैं, जो अचला सप्तमी स्नान के बाद वापसी कर सकते हैं।

श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोगों की बढ़ती आवाजाही से भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन गई है। इसे देखते हुए प्रशासन ने मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन बनाने की व्यवस्था की है। मेलाधिकारी ऋषिराज के अनुसार अचला सप्तमी पर महाराष्ट्र, बिहार, नेपाल, मध्य प्रदेश, राजस्थान सहित प्रदेश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। उन्होंने बताया कि 40 से 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

अचला सप्तमी का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में सप्तमी तिथि का विशेष महत्व है। माघ मास की सप्तमी को अचला सप्तमी कहा जाता है। इस दिन सूर्यदेव की विधिवत पूजा की जाती है। 25 जनवरी को श्रद्धालु अचला सप्तमी का व्रत भी रखेंगे। शास्त्रों के अनुसार इस व्रत में मसूर की दाल, गाजर और किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ के सेवन की मनाही है। वहीं, शनिवार को भी संगम तट पर आस्था, विश्वास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य स्नान कर दीपदान किया। हालांकि, कोहरे व धुंध के कारण श्रद्धालुओं को सूर्यदेव के साफ दर्शन नहीं हो सके।

पांटून पुलों की व्यवस्था

परेड से झूंसी जाने के लिए : पांटून पुल संख्या- तीन, पांच और सात

झूंसी से परेड आने के लिए : पांटून पुल संख्या- चार और छह

पार्किंग की व्यवस्था

प्लॉट नंबर-17 पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली मार्ग से अपर संगम मार्ग, संगम स्नान घाट, हनुमान घाट व रामघाट पर जा सकेंगे। स्नान के बाद श्रद्धालु अक्षयवट खड़ंजा मार्ग से त्रिवेणी वापसी मार्ग होते हुए पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे।

गल्ला मंडी पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल काली-दो मार्ग से मोरी रैंप, किलाघाट मार्ग पहुंचकर काली उत्तरी घाट, मोरी घाट, शिवाला घाट व दशाश्वमेध घाट जा सकेंगे। इसके बाद गंगा मूर्ति चौराहा से ओल्ड जीटी रोड थाना दारागंज के सामने से या रिवर फ्रंट मार्ग से लौट सकेंगे।

नागवासुकि पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवर फ्रंट मार्ग या अन्य रास्ते से नागवासुकि स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद रिवर फ्रंट मार्ग से पार्किंग में पहुंचकर अपने वाहनों से गंतव्य को वापस जा सकेंगे।

ओल्ड जीटी कछार पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नागवासुकि मार्ग से पांटून पुल नंबर-चार, पांच पश्चिमी के मध्य बने स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद ओल्ड जीटी मार्ग, ओल्ड जीटी कछार पार्किंग से वापस जा सकेंगे।

टीकरमाफी महुआबाग पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल महुआबाग पार्किंग से जीटी रोड, टीकरमाफी से त्रिवेणी मार्ग पांटून पुल नंबर-दो व तीन से स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद काली मार्ग, टीकरमाफी, जीटी रोड से महुआबाग पार्किंग लौट सकेंगे।

सोहम आश्रम पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल रिवरफ्रंट, अक्षयवट मार्ग, पांटून पुल एक के दक्षिणी ऐरावत स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद महावीर मार्ग, रिवरफ्रंट से झूंसी मार्ग पर सोहम आश्रम पार्किंग लौट सकेंगे।

देवरख कछार पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल सोमेश्वर महादेव रैंप मार्ग से सोमेश्वर महादेव स्नान घाट पर जा सकेंगे। इसके बाद उसी मार्ग से देवरख कछार पार्किंग या संबंधित पार्किंग में पहुंच सकेंगे।

गजिया पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल अरैल घाट मार्ग से फलाहारी बाबा आश्रम के सामने से बांध रोड, अरैल घाट, चक्रमाधव घाट व अन्य स्नान घाटों पर जा सकेंगे। इसके बाद अरैल बांध रोड पहुंचकर सच्चा बाबा आश्रम से वापस जा सकेंगे।

नवप्रयागम पार्किंग : श्रद्धालु अपने वाहनों को पार्क कर पैदल नवप्रयागम अप्रोच मार्ग से अरैल बांध रोड, अरैल घाट, चक्रमाधव घाट व अन्य स्नान घाटों पर जा सकेंगे। इसके बाद संकट मोचन मार्ग, नवप्रयागम अप्रोच मार्ग से नवप्रयागम पार्किंग लौट सकेंगे।

सपा की 'सम्मान जागरण यात्रा' का दूसरा चरण शुरू, भारी जनसमर्थन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। पूर्व विधायक अनूप संडा 188 सुल्तानपुर के नेतृत्व में सैकड़ो समाजवादी कार्यकर्ताओं के साथ शांति, सद्भाव, सशक्त लोकतंत्र,सामाजिक न्याय तथा डॉक्टर अंबेडकर के विचारों को घर-घर पहुंचने का संकल्प लेते हुए पांच दिवसीय मतदाता जागरूकता अभियान पदयात्रा के दूसरे चरण का शुभारंभ हुआ। पदयात्रा के द्वितीय चरण में विधानसभा 188 के जयसिंहपुर तथा कूरेभार ब्लॉक में लगभग 100 किलोमीटर भ्रमण होगा। यात्रा का शुभारंभ समाजवादी पार्टी सुल्तानपुर के जिला अध्यक्ष रघुवीर यादव एवं महासचिव द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। यात्रा के प्रारंभ में लोकतंत्र की मजबूती तथा सामाजिक न्याय एवं समरसता स्थापित करने के लिए संघर्ष का संकल्प करते हुए पूर्व विधायक एवं प्रवक्ता अनूप संडा ने कहा कि पीडीए समाज को सम्मान एवं न्याय दिलाने के लिए जागरूकता एवं संघर्ष की आवश्यकता है आम आदमी समृद्धि एवं सुरक्षित तभी होगा जब प्रदेश में शांति एवं सद्भाव हो। परंतु वर्तमान भाजपा सरकार आम जनमानस व्यापारियों किसानों एवं महिलाओं तथा पीडीए समाज का उत्पीड़न एवं दोहन कर रही है इसलिए समाजवादी कार्यकर्ता पदयात्रा के माध्यम से संविधान एवं सम्मान को बचाने हेतु, एसआईआर प्रक्रिया के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा फ़ॉर्म 6 के माध्यम से लोगों को नए वोट जोड़ने हेतु प्रेरित करने का काम कर रहे हैं। यात्रा में शामिल समाजवादी कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के संदेश जनवादी गीतों एवं नारों के माध्यम से लोगों को प्रेरित कर रहे हैंपीडीए जागरण एवं सम्मान यात्रा के स्वागत में डाकखाना चौराहे पर नदीम और धर्मेंद्र राजू चौधरी व विकास चौरसिया, नॉर्मल चौराहे चौराहे पर इरफान पिंटू, शारिक कुरैशी, गार्डन व्यू होटल पर जयंत द्विवेदी, घेराऊ मार्केट में बुद्धू चाचा लोलेपुर तबरेज भाई की दूकान पर शाहिद भाई, इस्मत भाई, कमनगढ़ में सानू प्रधान, जयप्रकाश चौरसिया, सिरवारा प्रथम में मोटे भाई, महमूद भाई, सिरवारा द्वितीय में सलमान भाई फतेपुर में भारत यादव, रामनायक यादव, मनोज यादव, पठानीपुर में सोनू पूर्व प्रमुख, वारिस भाई, राजापुर में मुजम्मिल भाई, आदिल भाई, अल्तमश भाई, हरिहरपुर ग्राम से रेशमा वर्मा, शिवगढ़ अनीता पाल, ननका यादव, सूरजकली, इंद्रावती जानकी आदि भाग ले रही हैं।

बांकेबिहारी मंदिर में सीएम के पहुंचने से पहले हंगामा, गोस्वामी समाज की महिलाओं को धक्का देकर निकाला

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। मथुरा के बांकेबिहारी में रविवार को भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पहुंचने से पहले जमकर हंगामा हुआ। सेवायतों और गोस्वामी समाज की महिलाओं की सुरक्षाकर्मियों से जमकर नोकझोंक हुई। इसका वीडियो भी सामने आया है। जिसमें गोस्वामी समाज की महिलाएं धक्का देकर बाहर निकालने की बात कह रहीं हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन रविवार को मथुरा दौरे पर थे। उनकी अगवानी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मथुरा पहुंचे थे। दोनों नेताओं का वृंदावन के बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने का भी कार्यक्रम था। इसको लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा था।

नेताओं के आने से पहले सुरक्षाकर्मियों ने सेवायत गोस्वामी और उनके परिवार की महिलाओं को मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया। इसको लेकर हंगामा खड़ा हो गया। मंदिर में प्रवेश रोके जाने से आक्रोशित महिलाओं ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए इसे अवैधानिक बताया है।

हाई वोल्टेज झटका मशीन की चपेट में आने से किसान की मौत

लम्भुआ/सुलतानपुर। थाना लम्भुआ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देलहाँ, पोस्ट गावपुर निवासी जब्बार पुत्र खैराती की हाई वोल्टेज झटका मशीन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज न होने से पीड़ति परिवार में रोष व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जब्बार शनिवार की सुबह लगभग 10 बजे घर से घास काटने के लिए निकले थे। इसी दौरान गांव के ही गया प्रसाद व राजेन्द्र प्रसाद सिंह द्वारा दशरथ सिंह के खेत में लगाए गए हाई वोल्टेज झटका मशीन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन आनन-फानन में उन्हें लम्भुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पीड़ति परिवार ने थाना लम्भुआ में तहरीर देकर नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

घायल बिटिया के इलाज के लिए सपा नेता ने दी आर्थिक मदद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। वैदहा में हुए दर्दनाक ट्रैक्टर हादसे में दो मासूम छात्राओं की मौत और एक गंभीर रूप से घायल होने के बाद समाजवादी पार्टी ने पीड़ति परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए त्वरित आर्थिक मदद पहुंचाई है।

सपा नेता जिलाध्यक्ष विपिन प्रकाश सिंह 'दीपक' रविवार को जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव के साथ वैदहा पहुंचे, यहां उन्होंने मृतक आनवी तिवारी और प्रियदर्शिनी तिवारी के परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने घायल प्रशाली तिवारी जो वर्तमान में लखनऊ के केजीएमयू में इलाजरत हैं के बेहतर इलाज के लिए तत्काल 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। विपिन प्रकाश सिंह ने परिवारों को भरोसा दिलाया कि प्रशाली का इलाज चाहे लखनऊ में जारी रहे या दिल्ली के किसी बड़े अस्पताल में शिफ्ट करना पड़े, पूरा खर्च वे खुद उठाएंगे। उन्होंने कहा, "यह छोटी-सी मदद है, लेकिन भविष्य में वे बेटियों के परिवार का दर्द समझते हुए उनके साथ खड़े हैं। इलाज में कोई कमी नहीं आने देंगे। यह मदद सदमे में डूबे परिवारों के लिए बड़ी राहत है। गौरतलब हो कि विगत 18 जनवरी को हादसे में स्कूटी सवार तीन छात्राओं को मिट्टी लदी ट्रैक्टर-ट्राली ने कुचल दिया था, जिसमें आनवी (16 वर्ष, कक्षा 11) और प्रियदर्शिनी (14-16 वर्ष, कक्षा 8) की मौत हो गई थी, जबकि प्रशाली (19 वर्ष) गंभीर घायल हैं। परिवारों ने सपा नेता की इस संवेदनशील पहल की सराहना की है। गांव में अभी भी शोक का माहौल है, लेकिन इस मदद से पीड़ितों को कुछ सहारा मिला है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का धरना जारी, समर्थन में पहुंचे इविवि के छात्रों लगाए नारे

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का धरना लगातार आठवें दिन जारी है। वह माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर स्थित अपने शिविर के सामने धरने पर बैठे हैं। बड़ी संख्या में साधु-संत और विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग उनका दर्शन करने और आशीर्वाद लेने के लिए पहुंच रहे हैं। रविवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र शंकराचार्य के समर्थन में पहुंचे और नारेबाजी की। छात्रों ने कहा कि शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है। बटुकों और संन्यासियों की शिखा और चोटी पकड़कर घसीटना और पीटने की घटना से हर धर्मावलंबी को अंदर से हिलाकर रख दिया गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के पुरनियों की पहल पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के न्याय की लड़ाई में शहरियों को एकजुट करने के लिए पहल शुरू हुई है। छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष श्यामकृष्ण पांडेय ने कहा कि इलाहाबाद की धरती हमेशा से न्याय के साथ खड़ी हुई है। ऐसे में जब सनातन के सबसे बड़े गुरु शंकराचार्य के सम्मान से खिलवाड़ हो तो यह जरूरी हो जाता है कि शहर के छात्रनेता, अधिवक्ता, बुद्धिजीवी, लेखक आदि लोग एक होकर इस लड़ाई को मजबूती दें।

पूर्व अध्यक्ष अनुग्रह नारायण सिंह ने कहा कि जिस प्रकार बटुकों के साथ मारपीट की गई, वह अन्यायपूर्ण है। हम सबको इसके खिलाफ आवाज बुलंद करनी होगी। इसी कारण हर राजनीतिक दल के नेताओं को एक मंच पर आकर संघर्ष में साथ देना होगा। पूर्व अध्यक्ष केके राय व सपा नेता संदीप यादव ने कहा कि संगम की रेती पर संत-संन्यासियों पर हमला माघ मेला की संस्कृति पर हमला है।

पूर्व अध्यक्ष अजित यादव और संजय तिवारी ने कहा कि शंकराचार्य के हक में न्याय की इस लड़ाई के लिए एक पहल शुरू की गई है कि सभी नेता, छात्र संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता, व्यापारी एक होकर उनके साथ खड़े हों। पूर्व उपाध्यक्ष बाबा अभय अवस्थी व महामंत्री अंशुमान मिश्र ने कहा कि भाजपा का असली चाल-चेहरा व चरित्र सामने आ गया है। इस दौरान प्रो.हरिशंकर उपाध्याय, प्रभाशंकर मिश्र, मुकुंद तिवारी, सुरेश यादव, अभिषेक यादव, विकास तिवारी, अखिलेश गुप्ता, देवधर तिवारी, विवेकानंद पाठक, रजनीश सिंह, अभ्युदय त्रिपाठी, जितेंद्र तिवारी, अजय सम्राट यादव, सौरभ सिंह रहे।

शंकराचार्य के शिविर के बाहर नारेबाजी, दी गई तहरीर

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर के बाहर शनिवार शाम कुछ अज्ञात लोगों ने आपत्तिजनक नारे लगाए। शिविर के प्रभारी पंकज पांडेय वे थाना कल्पवासी मेला क्षेत्र में तहरीर दी है। शंकराचार्य शिविर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी जारी किए गए हैं, जिनमें कुछ लोग नारे लगाते दिखाई व सुनाई दे रहे हैं। पंकज पांडेय द्वारा दी गई तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कुछ असामाजिक तत्व शनिवार शाम साढ़े छह बजे के आसपास लाठी-डंडों के साथ शंकराचार्य व उनके अनुयायियों को क्षति पहुंचाने की मंशा से पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। शिविर प्रभारी ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। उधर, एसपी माघ मेला नीरज पांडेय का कहना है कि नारेबाजी की सूचना मिली थी। तहरीर अभी प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद जांच कराई जाएगी।

शंकराचार्य के अपमान को लेकर कांग्रेस चलाएगी जन जागरण अभियान

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को माघ मेला में मौनी अमावस्या पर संगम स्नान करने से रोकने का विवाद बढ़ता जा रहा है। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस के महासचिव मुकुंद तिवारी ने चौक स्थित पार्टी कार्यालय में पदाधिकारियों और नेताओं संग बैठक कर प्रस्ताव प्रारित किया, जिसमें शंकराचार्य के अपमान को लेकर शहर के प्रत्येक वार्ड में जन जागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

मुकुंद तिवारी ने कहा की जिम्मेदार अफसरों की संवादहीनता से शंकराचार्य के साथ-साथ संपूर्ण सनातनियों का घोर अपमान हुआ है। जन जागरण के जरिये यह बात लोगों तक पहुचाएंगे, ताकि चाल, चरित्र और चेहरा उजागर हो सके। वहीं, प्रदेश महासचिव विवेकानंद पाठक ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के शासन में साधु-संत भी सुरक्षित नहीं हैं।

उन्होंने कहा की सरकार के दबाव में प्रशासन धार्मिक नगरी को राजनीति का अखाड़ा बनाने पर उतारू है। कांग्रेसियों ने राज्यपाल से मामले में स्वतः संज्ञान लेकर प्रशासनिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस दौरान हसीब अहमद, अनूप त्रिपाठी, मनोज पासी, दीपचंद्र शर्मा, राजेश्वरी पटेल, मोहम्मद हसीन, भानु कुशवाहा, सुनील यादव, शकील अहमद रहे।

अच्छा कार्य होता है तो वह उपद्रव फैलाते हैं : बिनैका बाबा

मेले में आए कई साधु-संत सीधे तौर पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ खुलकर सामने आने लगे हैं। साकेत धाम आश्रम बड़ा भक्तमाल राजगढ़, मध्य प्रदेश के जगद्गुरू स्वामी राम सुभग देवाचार्यजी महाराज बिनैका बाबा ने कहा है कि अच्छा कार्य होता है तो वह उपद्रव फैलाते हैं। संन्यासी का न तो कोई मान-सम्मान होता है न ही अपमान होता है। जब कोई व्यक्ति संन्यास धारण करता है, उसी समय सब कुछ नष्ट हो जाता है।

उन्होंने कहा है कि माघ मेले में यह कोई परंपरा और नियम नहीं है कि कोई भी व्यक्ति पालकी से स्नान करने जाए। अन्य शंकराचार्यों ने भी बगैर पालकी के संगम स्नान किया है। वहीं, श्रृंग्वेरपुर धाम के श्रीमद्जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य महाराज ने मेले में वीआईपी कल्चर का विरोध करते हुए कहा है कि अगर बाबा रामदेव आते हैं, तो प्रशासन उन्हें अलग ट्रीटमेंट देता है। ऐसा करना गलत है क्योंकि सभी संत एक समान है। मेला प्रशासन की जिम्मेदारी है कि सभी संतों को आराम से स्नान कराएं। अगर इस विवाद की आड़ में सनातन धर्म पर हमला होगा तो संत इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। संत समाज सीएम योगी के साथ खड़ा है।

मथुरा में मुख्यमंत्री योगी ने भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन संग 'मन की बात' सुनी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के साथ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम 'मन की बात' का श्रवण किया। वृंदावन स्थित अक्षयपात्र में आयोजित कार्यक्रम में दोनों नेता सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने पहली बार उत्तर प्रदेश के दौरे पर पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का ब्रज भूमि पर स्वागत और अभिनंदन किया।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत राधे-राधे, वृंदावन बिहारी लाल, राधा रानी, यमुना मैया, हर-हर महादेव, जय श्रीराम, भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ की। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं और बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। संगठन में विभिन्न दायित्वों के निर्वहन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। इस दायित्व के बाद योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन धरा पर उनका प्रथम आगमन विशेष महत्व रखता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रज प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बलदेव जैसे तीर्थस्थल सनातन परंपरा के केंद्र हैं, जहां आज भी श्रद्धालु कण-कण में श्रीकृष्ण और राधा रानी की विरासत का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मभूमि भी मथुरा में स्थित है। प्रधानमंत्री की प्रेरणा से ब्रज भूमि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने वाला राज्य बन रहा है। बीते पांच वर्षों से अधिक समय से प्रदेश रेवेन्यू सरप्लस स्थिति में है। डबल इंजन सरकार के माध्यम से बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्य तेजी से धरातल पर उतारे जा रहे हैं और हर नागरिक को सुरक्षा का एहसास कराया जा रहा है। गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का युवा अब पहचान के लिए मोहताज नहीं है और देश के किसी भी हिस्से में गर्व से स्वयं को यूपी का नागरिक कह सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बीते वर्षों में प्रदेश ने विकास के नए मानक स्थापित किए हैं और इस गति को और तेज करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी प्रतिबद्धता के साथ योगदान देगा।कार्यक्रम में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक श्रीकांत शर्मा, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह, विधान परिषद सदस्य संतोष सिंह, अशोक कटारिया, ओमप्रकाश सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, जिलाध्यक्ष निर्मल पांडेय, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन की बैठक में कार्यस्थल की समस्याओं और हितों पर मंथन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, लखनऊ की आम बैठक शनिवार को बलरामपुर चिकित्सालय परिसर स्थित विज्ञान भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जनपद लखनऊ के फार्मेसिस्टों और चीफ फार्मेसिस्टों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। बैठक के दौरान फार्मेसिस्ट संवर्ग से जुड़े हितों, कार्यस्थलों पर आ रही कठिनाइयों और उनके स्थायी समाधान जैसे संवेदनशील विषयों पर गंभीर विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ के अधीन विभिन्न चिकित्सालयों में कार्यरत सदस्यों ने आरोप लगाया कि कुछ चिकित्सा अधीक्षक और प्रभारी चिकित्सा अधिकारी लेखा परीक्षण के नाम पर फार्मेसिस्ट संवर्ग पर अनावश्यक दबाव बनाकर धन उगाही का प्रयास कर रहे हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। वहीं सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत फार्मेसिस्टों ने बताया कि उत्तर प्रदेश औषधि वितरण निगम नादरगंज से औषधियों और आवश्यक चिकित्सीय सामग्रियों को जनपद की चिकित्सा इकाइयों तक पहुंचाने की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है, जिससे फार्मेसिस्टों को अपने निजी खर्च पर औषधियों की आपूर्ति करानी पड़ रही है, जबकि नियमानुसार यह जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्तर से सुनिश्चित की जानी चाहिए।बैठक में जनपद के विभिन्न चिकित्सालयों में फार्मेसिस्ट संवर्ग की स्वीकृत संख्या से कम तैनाती पर भी चिंता जताई गई। पदाधिकारियों ने कहा कि कार्मिकों की कमी के कारण कार्यरत फार्मेसिस्टों पर अत्यधिक कार्यभार रहता है और अवकाश स्वीकृति जैसी प्रक्रियाओं में भी व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू किए जाने के विषय पर भी चर्चा की गई।इस अवसर पर डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश, जनपद लखनऊ के अध्यक्ष अरुण अवस्थी और मंत्री कपिल वर्मा ने कहा कि किसी भी स्तर पर अनुचित धन उगाही के प्रयास का संगठन विरोध करेगा और मुख्य चिकित्सा अधिकारी लखनऊ से मुलाकात कर समस्याओं और आपत्तियों से अवगत कराया जाएगा। कपिल वर्मा ने बताया कि जनपद लखनऊ के 174 सदस्यों का पांच लाख रुपये का सामूहिक दुर्घटना बीमा संघ के व्यय पर कराया गया है, जो दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा।बैठक में संघ के पूर्व महामंत्री श्रवण कुमार सचान, पूर्व कोषाध्यक्ष रजत यादव, अविनाश सिंह, पवन शर्मा, रंजीत कुमार गुप्ता, चन्द्रशेखर श्रीवास्तव, डी.एस. पाण्डेय, रजनीश पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

नगराम में युवक की हत्या का 36 घंटे में खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ।। नगराम थाना क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 36 घंटे के भीतर घटना का सफल अनावरण करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना नगराम पुलिस और सर्विलांस टीम जोन दक्षिणी की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी अरविन्द कुमार उर्फ अरुण को अचलीखेड़ा बैराज के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे की पाइप और जीन्स पैंट बरामद की गई है।पुलिस के अनुसार 23 जनवरी 2026 को ग्राम गुलालखेड़ा निवासी ओम प्रकाश का शव गांव के बाहर इंदिरा नहर की पटरी के नीचे झाड़ियों में पड़ा मिला था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य संकलन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मृतक की मां गीता की तहरीर पर थाना नगराम में मुकदमा संख्या 15/26, धारा 103(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था।विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपी अरविन्द कुमार उर्फ अरुण की पहचान की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह नहर किनारे अंडे का ठेला लगाता है। 22 जनवरी की रात मृतक अन्य लोगों के साथ वहां शराब पीने आया था और नशे की हालत में वहीं लेट गया था। पूर्व से चले आ रहे विवाद के चलते आरोपी ने मौके का फायदा उठाते हुए घर से लोहे की पाइप लाकर मृतक को झाड़ियों में खींचा और सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ग्राम गुलालखेड़ा का निवासी है और उसके खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना नगराम पुलिस और सर्विलांस सेल जोन दक्षिणी की अहम भूमिका रही।

नए ट्रेडों पर लाइसेंस शुल्क को लेकर लखनऊ व्यापार मंडल ने महापौर को सौंपा ज्ञापन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम द्वारा नए ट्रेडों पर लाइसेंस शुल्क लगाए जाने को लेकर उत्पन्न भ्रम के विरोध में शनिवार को लखनऊ व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधि मंडल महापौर के आवास पर पहुंचा और ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र, महामंत्री अनुराग मिश्र और वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम कपूर शामिल रहे।व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि नगर निगम की कार्यकारिणी द्वारा पहले ही यह स्पष्ट निर्णय लिया जा चुका है कि नए ट्रेडों पर कोई लाइसेंस शुल्क नहीं लगाया जाएगा, इसके बावजूद लगातार इसके विपरीत समाचार प्रकाशित होने से व्यापारी समाज में रोष और भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि 5 सितंबर 2024 को नगर निगम द्वारा 21 नए ट्रेडों पर लाइसेंस शुल्क लगाने का प्रस्ताव लाया गया था, जिसका व्यापारी संगठनों ने तीव्र विरोध किया था। सांसद राजनाथ सिंह और पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के हस्तक्षेप के बाद 13 सितंबर 2024 को नगर निगम की कार्यकारिणी ने लाइसेंस शुल्क न लगाने का निर्णय लिया था, जो 14 सितंबर 2024 को समाचार पत्रों में प्रकाशित भी हुआ था।व्यापार मंडल ने आरोप लगाया कि इसके बावजूद 18 और 19 दिसंबर 2025 तथा 23 जनवरी 2026 को अपर नगर आयुक्त के हवाले से भ्रामक समाचार प्रकाशित कराए गए, जिससे यह आशंका गहराती जा रही है कि नगर निगम के कुछ अधिकारी पिछले दरवाजे से लाइसेंस शुल्क लागू करने का प्रयास कर रहे हैं।पदाधिकारियों ने बताया कि पूर्व में ऐसी भ्रामक खबरों के विरोध में व्यापारियों ने नगर निगम कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन भी किया था, जहां महापौर द्वारा किसी भी प्रकार का नया लाइसेंस शुल्क या कर न लगाए जाने का आश्वासन दिया गया था।अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में किसी भी प्रकार का लाइसेंस शुल्क या नया कर लागू करने का प्रयास किया गया तो व्यापारी समाज व्यापक आंदोलन, नगर निगम से जुड़े करों के बहिष्कार और लखनऊ बंद जैसे कदम उठाने के लिए बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।व्यापार मंडल ने मांग की कि इस विषय में तत्काल लिखित और सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी किया जाए तथा भ्रम फैलाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। महापौर सुषमा खर्कवाल ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वासन दिया कि इस विषय को सदन में रखकर पारित कराया जाएगा।

संक्षेप

एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी आरोपी को रायबरेली से किया गिरफ्तार

लखनऊ। स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तर प्रदेश ने रायबरेली जनपद से गैंगरेप, पॉक्सो और एससी/एसटी एक्ट के मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी जीतू उर्फ भैरम विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के विरुद्ध थाना भदोखर, रायबरेली में वर्ष 2021 में दर्ज मुकदमे के तहत लंबे समय से तलाश की जा रही थी।एसटीएफ को मिली सूचना के आधार पर 24 जनवरी 2026 की रात भदोखर थाना क्षेत्र में मुंशीगंज ओवरब्रिज के नीचे दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वर्ष 2019 में उसने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर विभिन्न स्थानों पर रखा और इस दौरान अपराध की घटनाएं हुईं। मामले के सामने आने के बाद से वह लगातार फरार रहकर अलग-अलग स्थानों पर छिपता रहा।एसटीएफ के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज है और गिरफ्तारी के बाद उसे संबंधित थाना भदोखर, रायबरेली में दाखिल कर दिया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

पारिवारिक विवाद के बाद डिलीवरी बॉय ने किया आत्महत्या का प्रयास, इलाज के दौरान मौत

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र के अहमदगंज निवासी एक युवक द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। उपचार के दौरान युवक की मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार आज दोपहर करीब 12 बजे सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई है, जिसके बाद स्थानीय पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची।परिजनों ने पुलिस को बताया कि मृतक हिमांशु शर्मा, पिता अजय पाल शर्मा, उम्र लगभग 20 वर्ष, पेशे से डिलीवरी बॉय था। परिजनों के अनुसार 23 जनवरी 2026 को किसी पारिवारिक विवाद के चलते उसे डांट-फटकार लगाई गई थी, जिससे वह मानसिक रूप से क्षुब्ध होकर घर से चला गया था और फैजुल्लागंज क्षेत्र स्थित एक होटल में पिछले करीब दो दिनों से ठहरा हुआ था।बीती रात हिमांशु ने किसी अज्ञात जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जानकारी मिलते ही परिजन और मित्र उसे तत्काल उपचार के लिए ट्रामा सेंटर, थाना चौक लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान आज तड़के लगभग 3 बजे उसकी मृत्यु हो गई। मृतक के परिवार में माता-पिता और एक छोटी बहन हैं।ट्रामा सेंटर स्थित पुलिस चौकी द्वारा पंचायतनामा की कार्यवाही पूर्ण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। प्रकरण में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में शांति व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

अवैध कूड़ा कलेक्शन पर महापौर की सख्त कार्रवाई, तीन ठेलियां जब्त, छह नामजद पर एफआईआर के निर्देश

लखनऊ। चिनहट के निकट तखवा चौराहा क्षेत्र में अवैध कूड़ा कलेक्शन और गैरकानूनी डंपिंग के खिलाफ नगर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। महापौर सुषमा खर्कवाल ने मौके पर पहुंचकर लेक व्यू होटल के पास बने अवैध डंपिंग प्वाइंट पर कूड़ा गिरा रही तीन ठेलियों को रंगे हाथों पकड़ा। अवैध डंपिंग के कारण क्षेत्र में गंदगी, प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने की शिकायतें लगातार सामने आ रही थीं।मौके पर की गई जांच में सामने आया कि यह अवैध गतिविधि अविनाश वर्मा, शंभू और अमित की शह पर संचालित की जा रही थी। इनके संरक्षण में लंबे समय से गैरकानूनी तरीके से कूड़ा एकत्र कर अवैध डंपिंग स्थलों पर फेंका जा रहा था, जिससे नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही थी।महापौर के निर्देश पर नगर निगम की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों ठेलियों को जब्त कर लिया। साथ ही अविनाश वर्मा, शंभू, अमित तथा ठेला संचालक जाकिर, जिलाउद्दीन और हबीजुद्दीन के विरुद्ध थाना विभूति खंड में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए।

पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुधन, दुग्ध विकास एवं राजनैतिक पेंशन विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री धर्मपाल सिंह ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह राष्ट्रीय पर्व हमें संघर्ष, त्याग और बलिदान की प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे गणतंत्र दिवस को हर्षोल्लास के साथ मनाएं और अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में भारत को विश्वगुरु बनाने के मार्ग में अपना श्रेष्ठतम योगदान दें।मंत्री ने यह भी कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों द्वारा देखे गए नए भारत के सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से साकार किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से देश और राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने की प्रेरणा भी दी।

गणतंत्र दिवस पर ग्राम्य विकास विभाग द्वारा अमृत सरोवरों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने गणतंत्र दिवस को पूरे उत्साह, उल्लास और गरिमामय तरीके से मनाने हेतु ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के अनुसार, प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में निर्मित और विकसित अमृत सरोवरों पर गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किए जाएंगे।उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में प्रत्येक अमृत सरोवर पर स्वतंत्रता सेनानी, स्वतंत्रता के बाद शहीद हुए किसी व्यक्ति के परिवार के सदस्य, स्थानीय पद्म पुरस्कार विजेता या ग्राम पंचायत के किसी वरिष्ठ नागरिक द्वारा तिरंगा फहराया जाएगा। इन व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा और उन्हें समारोह में गौरवपूर्ण स्थान प्रदान किया जाएगा।समारोह में जनप्रतिनिधि, पंचायत सदस्य, स्वयं सहायता समूह, स्कूलों के छात्र-छात्राओं और स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम में सरोवरों के महत्व को समझाने के लिए 'हेरिटेज वॉक' का आयोजन होगा।

दिल्ली हाट में "विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश" थीम पर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य की स्थापना की ऐतिहासिक स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने तथा प्रदेश की सांस्कृतिक, सामाजिक और विकासात्मक उपलब्धियों को देश-विदेश तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा नई दिल्ली स्थित दिल्ली हाट में शनिवार को "विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश" थीम पर उत्तर प्रदेश दिवस-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन के माध्यम से उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, पर्यटन, कला, परंपराओं और सामाजिक योगदान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन संभावनाओं और वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 से प्रदेश में नियमित रूप से उत्तर प्रदेश दिवस मनाया जा रहा है और 24 जनवरी प्रदेश के इतिहास में विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से 2026 के बीच उत्तर प्रदेश ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह अपार संभावनाओं से भरपूर प्रदेश है। काशी, अयोध्या और प्रयाग जैसे आध्यात्मिक केंद्रों के साथ-साथ कुंभ और माघ मेले जैसे विश्वविख्यात आयोजनों ने प्रदेश को वैश्विक पहचान दिलाई है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते लगभग नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था के कारण विकास की गति तेज हुई है।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने 77वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर देशवासियों और प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल राष्ट्रीय पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारे संविधान, लोकतांत्रिक संस्थाओं और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक भी है। इस वर्ष देश 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है, जो भारत की निरंतर प्रगति और लोकतांत्रिक परंपराओं की मजबूती को दर्शाता है।मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश को राजनीतिक स्थिरता, सुशासन और समान अधिकारों की मजबूत नींव प्रदान की है। आज भारत सशक्त नेतृत्व के साथ पारदर्शी और जवाबदेह शासन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत हुई हैं और जनभागीदारी के माध्यम से देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आप की तिरंगा पदयात्रा, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी लखनऊ इकाई की ओर से भव्य, अनुशासित और शांतिपूर्ण तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा का नेतृत्व जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने किया। तिरंगा पदयात्रा छोटा इमामबाड़ा से प्रारंभ होकर रूमी गेट हुसैनाबाद पहुंची, जहां पूरे सम्मान और गरिमा के साथ इसका समापन हुआ।पदयात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों की गूंज, हाथों में लहराता तिरंगा और 'भारत माता की जय' तथा 'संविधान बचाओ-लोकतंत्र बचाओ' के नारों से वातावरण देशभक्ति और जनचेतना से सराबोर रहा। पदयात्रा में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर पदयात्रा का स्वागत किया।इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस सोनी ने कहा कि राष्ट्रवाद के नाम पर संविधान को कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि तिरंगे का सच्चा सम्मान तभी संभव है, जब संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान गरीबों, दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है और इसे बदलने की बात करने वाले वास्तव में जनता के अधिकार छीनना चाहते हैं। जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए समाज को बांटने की राजनीति की जा रही है।

गणतंत्र दिवस पर एसटीएफ उत्तर प्रदेश के अधिकारियों व कर्मियों को वीरता पदक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गणतंत्र दिवस-2026 के अवसर पर उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के विभिन्न अधिकारियों एवं राजपत्रित पुलिस कर्मियों को भारत सरकार द्वारा वीरता पदक से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें कर्तव्य निर्वहन के दौरान प्रदर्शित अदम्य साहस, शौर्य और उत्कृष्ट पुलिस कार्य के लिए प्रदान किया गया है।सम्मानित होने वालों में एसटीएफ फील्ड यूनिट आगरा में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक राकेश शामिल हैं। 7 अगस्त 2024 को जनपद मथुरा के थाना फरह क्षेत्र में एसटीएफ टीम के साथ हुई मुठभेड़ में एक लाख रुपये के इनामी अपराधी पंकज यादव को घायल किया गया था, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। उक्त अपराधी के विरुद्ध उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जनपदों में कुल 39 अभियोग पंजीकृत थे।एसटीएफ लखनऊ में तैनात पुलिस उपाधीक्षक धर्मेश कुमार शाही, एसटीएफ फील्ड यूनिट गोरखपुर के निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह तथा उप निरीक्षक यशवंत सिंह को भी वीरता पदक के लिए चयनित किया गया है। इसके अलावा एसटीएफ फील्ड यूनिट वाराणसी में तैनात अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सिंह को 21 मार्च 2022 को जनपद वाराणसी ग्रामीण के थाना लोहता क्षेत्र में हुई मुठभेड़ के लिए सम्मानित किया गया है। इस मुठभेड़ में दो लाख रुपये के इनामी अपराधी मनोज सिंह उर्फ सोनू सिंह को घायल किया गया था, जिसकी उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 36 अभियोग पंजीकृत थे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर भाजपा ने नवमतदाताओं का किया अभिनंदन

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रविवार को प्रदेश के सभी जनपदों में नवमतदाताओं का अभिनंदन करते हुए लोकतंत्र का पर्व उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर प्रदेशभर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के श्रवण के उपरांत नवमतदाता सम्मान समारोहों का आयोजन किया गया।प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने नवमतदाताओं का अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपस्थित नवमतदाताओं और कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की मजबूती और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए सामूहिक सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री संजय राय, भाजपा नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में नवमतदाता और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होते हैं और युवा जब पहली बार मतदाता बनता है तो यह उसके जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवमतदाताओं को विशेष रूप से बधाई दी है और देश को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में युवाओं को शिक्षा, रोजगार और विकास के अवसर मिले हैं, जिसके कारण भारत हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है।उन्होंने कहा कि देश की आजादी की लड़ाई में युवाओं की भूमिका सदैव निर्णायक रही है और स्वामी विवेकानंद, चन्द्रशेखर आजाद, सुभाष चन्द्र बोस तथा भगत सिंह जैसे महापुरुष युवाओं के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए सदैव सजग रहना आवश्यक है और युवाओं को लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में कार्य करना चाहिए।प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि मतदाता बनना केवल मतदान का अधिकार प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संकल्प है। आज का युवा देश का वर्तमान भी है और भविष्य भी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में युवाओं को नवाचार, शिक्षा, रोजगार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का कार्य किया गया है।

यूजीसी रेगुलेशन में ऐसा क्या है जिसका सवर्ण कर रहे हैं विरोध? समानता के नियमों को लेकर क्यों मचा बवाल?

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले नए नियमों को लेकर देश में राजनीति तेज हो गई है। इन नियमों के लागू होते ही सवर्ण समुदाय की नाराजगी की खबरें सामने आने लगी हैं और इसके खिलाफ विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक यह दावा किया जा रहा है कि यह रेगुलेशन एक वर्ग विशेष को निशाना बनाने के लिए लाया गया है और इसका दुरुपयोग कर छात्रों और शिक्षकों को प्रताड़ित किया जाएगा। कई मंचों से भय का वातावरण बनाया जा रहा है और तथ्यों से परे जाकर तरह तरह का दुष्प्रचार फैलाया जा रहा है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भावनात्मक शोर और राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप से अलग हटकर इन नियमों की वास्तविकता को समझा जाए। सवाल उठता है कि आखिर इन नियमों में ऐसा क्या है जिससे कुछ लोग डरे हुए हैं और क्या सचमुच यह किसी समुदाय के खिलाफ हैं? या फिर यह उच्च शिक्षण संस्थानों में लंबे समय से चली आ रही असमानता और भेदभाव की समस्या से निपटने की एक कोशिश मात्र है? इन्हीं सवालों के जवाब तलाशने और यूजीसी के इन नियमों की सच्चाई आपके सामने रखने की एक कोशिश इस रिपोर्ट के माध्यम से हम कर रहे हैं।

हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता और समावेशन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम, 2026) को अधिसूचित कर दिया है। ये नियम देश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों पर लागू होंगे। इनका उद्देश्य परिसर में भेदभाव से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए स्पष्ट व्यवस्था बनाना और वंचित सामाजिक समूहों को संस्थागत सहारा देना है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, नए नियमों के तहत प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र स्थापित करना अनिवार्य होगा। यह केंद्र न केवल भेदभाव से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई करेगा, बल्कि शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक और व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराएगा। विविधता और समावेशन को बढ़ावा देना भी इसकी मुख्य जिम्मेदारी होगी। जिन महाविद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं होंगे, वहां यह कार्य संबद्ध विश्वविद्यालय के समान अवसर केंद्र के माध्यम से किया जाएगा।

हम आपको बता दें कि इन नियमों के लागू होने की पृष्ठभूमि में न्यायपालिका की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। वर्ष 2012 में बने भेदभाव विरोधी नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दायर एक याचिका की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने यूजीसी को अद्यतन नियम प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। यह याचिका रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं द्वारा दायर की गई थी। हम आपको याद दिला दें कि इन दोनों ही छात्रों के मामलों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत उत्पीड़न और संस्थागत उदासीनता को लेकर देशव्यापी बहस छेड़ी थी। नए ढांचे के तहत समान अवसर केंद्र के साथ एक समानता समिति का गठन भी अनिवार्य होगा। इस समिति में अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाएं और दिव्यांग व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व अनिवार्य किया गया है। समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा और उसे प्रत्येक छह महीने में अपनी रिपोर्ट संस्थान तथा यूजीसी को भेजनी होगी। इसके अतिरिक्त, परिसर में भेदभाव की रोकथाम के लिए छोटी सतर्कता इकाइयों के रूप में समानता दस्तों का गठन भी किया जाएगा।

नियमों में यह भी प्रावधान है कि समान अवसर केंद्र स्थानीय प्रशासन, पुलिस, गैर सरकारी संगठनों, नागरिक समूहों और विधिक सेवा प्राधिकरणों के साथ समन्वय करेगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता भी उपलब्ध कराई जा सके। प्रत्येक संस्थान में एक वरिष्ठ शिक्षक को इस केंद्र का समन्वयक नियुक्त किया जाएगा, जिसे वंचित समूहों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्ध माना गया हो। यदि कोई संस्थान इन नियमों का पालन नहीं करता है, तो यूजीसी के पास कड़ी कार्रवाई के अधिकार होंगे। इसमें यूजीसी की योजनाओं से वंचित करना, डिग्री और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों को रोकना, यहां तक कि संस्थान को यूजीसी की मान्यता सूची से हटाना भी शामिल है। इस बीच, इन नियमों के लागू होने के साथ ही देश के कुछ हिस्सों में विरोध के स्वर भी सुनाई दिए हैं। आलोचकों का कहना है कि इसका दुरुपयोग हो सकता है, जबकि समर्थकों का तर्क है कि यह कदम लंबे समय से चली आ रही असमानताओं को दूर करने के लिए आवश्यक है। हम आपको यह भी बता दें कि आंकड़े दर्शाते हैं कि बीते वर्षों में उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में लगातार वृद्धि हुई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि मौजूदा व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं थीं और एक मजबूत, पारदर्शी तंत्र की जरूरत थी।

कांग्रेस को असम से बहुत उम्मीदें

कांग्रेस पार्टी ने असम में उम्मीदवारों का चयन करने के लिए छंटनी समिति बनाई है, जिसका अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा को बनाया गया है

अजीत द्विवेदी

अप्रैल में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होंगे, जिनमें से दो राज्य कांग्रेस की उम्मीदों के प्रदेश हैं। कांग्रेस को केरल और उसके साथ साथ असम से बहुत उम्मीदें हैं। कांग्रेस को लग रहा है कि 10 साल की सत्ता ने प्रदेश में भाजपा को अलोकप्रिय बनाया है और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के भड़काऊ भाषणों व विभाजनकारी राजनीति से लोग ऊबे हुए हैं। लेकिन क्या सचमुच ऐसा है? यह सही है कि 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी है और संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए से भी असम के लोगों में नाराजगी है। फिर भी पिछले दो चुनावों से जिस स्तर का ध्रुवीकरण हो रहा है वह कांग्रेस के लिए चुनौती है। हालांकि इस बार कांग्रेस ने बदरूद्दीन अजमल की पार्टी से तालमेल नहीं किया है। इससे ध्रुवीकरण की संभावना थोड़ी कम हुई है।

बहरहाल, पहले सीएए की बात करते हैं। भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए पर अमल इसलिए रोक दिया था क्योंकि असम में उसको इसके नुकसान का अंदाजा हो गया था। गौरतलब है कि सीएए का कानून 2019 में पास किया गया लेकिन उसे लागू करने के नियम नहीं बनाए गए। 2021 के चुनाव में भाजपा को इसका असम में फायदा हुआ और पश्चिम बंगाल में थोड़ा नुकसान हुआ। अब पश्चिम बंगाल में फायदे के लिए उसने सीएए लागू कर दिया लेकिन हो सकता है कि असम में इसका नुकसान हो। असम में यह धारणा बनी है कि सीएए से बांग्ला बोलने वाली आबादी बढ़ जाएगी और असमिया भाषा व संस्कृति कमजोर होगी।

कांग्रेस के नेता और मुख्यमंत्री पद के अघोषित दावेदार गौरव गोगोई अहोम वंश से जुड़े हैं और असमिया भाषा और संस्कृति के मुद्दे उठाते रहते हैं। साथ ही कांग्रेस ने भाषा व संस्कृति के आधार पर सीएए का विरोध करने वाले समूहों द्वारा बनाई गई पार्टियों से तालमेल किया है। वह भाजपा के धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण के मुकाबले भाषा और अस्मिता के आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति कर रही है।

कांग्रेस पार्टी ने असम में उम्मीदवारों का चयन करने के लिए छंटनी समिति बनाई है, जिसका अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा को बनाया गया है। इससे भी लग रहा है कि कांग्रेस असम को लेकर काफी भरोसे में है। गठबंधन की बातचीत भी लगभग तय है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण रोकने के लिए कांग्रेस ने इस बार बदरूद्दीन अजमल की ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी एआईयूडीएफ से तालमेल नहीं किया है। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने अजमल की पार्टी के लिए 20 सीटें छोड़ी थीं।

पिछली बार की तरह इस बार बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट यानी बीपीएफ भी कांग्रेस के साथ नहीं है। हागरामा मोहिलारी की पार्टी ने बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल यानी बीटीसी का चुनाव जीता और उसके बाद भाजपा ने उससे तालमेल कर लिया है। अब बोडोलैंड की दोनों पार्टियां बीटीसी और यूपीपीएल भाजपा के साथ हैं। कांग्रेस ने अजमल और मोहिलारी की पार्टी को 32 सीटें दी थीं और खुद 95 सीटों पर लड़ी थी। इस बार ये दोनों पार्टियां कांग्रेस के साथ नहीं हैं। लेकिन कांग्रेस ने अलग अलग जातीय समूहों में असर रखने वाली छोटी पार्टियों के साथ अपना गठबंधन किया है।

कांग्रेस ने पिछली बार महाजोत बनाया था, जिसमें एआईयूडीएफ, बीपीएफ के साथ साथ राष्ट्रीय जनता दल, तीन कम्युनिस्ट पार्टियां और एक अन्य दल शामिल था। इस बार कांग्रेस ने असोम सम्मिलितो मोर्चा बनाया है। इसमें कांग्रेस के अलावा पहले की तरह सीपीआई, सीपीएम और सीपीआई माले शामिल है। पिछली बार यूआरएफ बना कर अलग चुनाव लड़ी दो स्थानीय पार्टियों लुरिनजोत गोगोई की असम जातीयता परिषद और अखिल गोगोई की रायजोर दल से इस बार कांग्रेस ने तालमेल किया है। इनके अलावा ऑल पार्टी हिल लीडर्स कॉन्फ्रेंस से भी कांग्रेस ने तालमेल किया है। यूपीपीएल और बीपीएफ के नहीं होने से हिल एरिया के लिए कांग्रेस को एक पार्टी की जरुरत थी। सात पार्टियों का सम्मिलित मोर्चा भले पिछली बार के मुकाबले कमजोर दिख रहा है लेकिन जमीनी असर और नैरेटिव के मामले में इस मोर्चे ने चुनाव से पहले भाजपा को कड़ी टक्कर देने का संकेत दिया है। अब अगर पिछले चुनाव की बात करें तो एनडीए और महाजोत के बीच बेहद करीबी मुकाबला हुआ था। एनडीए को 44.51 फीसदी वोट मिला था तो महाजोत को 43.68 फीसदी वोट मिला था। यानी अंतर एक फीसदी से भी कम था। हालांकि सीटों में बड़ा अंतर आ गया था। यह भारत की 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' सिस्टम की अंतर्निहित खामी है। 44.51 फीसदी वोट पर एनडीए को 75 यानी 59.5 फीसदी सीटें मिलीं। दूसरी ओर कांग्रेस के नेतृत्व वाला महाजोत 43.68 फीसदी वोट लेकर 50 यानी 39.7 फीसदी सीटें जीत सका। महाजोत का असली फायदा अजमल की पार्टी को मिला, जो 20 सीटों पर लड़ कर नौ फीसदी वोट लाई और 16 सीटें जीत गई। मोहिलारी की पार्टी 3.39 फीसदी वोट लेकर तीन ही सीट जीत पाई और कांग्रेस 29 फीसदी वोट लेकर 29 सीट जीत पाई। वोट का यह ट्रेंड थोड़े बहुत अंतर के साथ लोकसभा चुनाव 2024 में भी बना रहा। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 42 फीसदी और कांग्रेस को 40 फीसदी के करीब वोट मिले। लोकसभा चुनाव गौरव गोगोई की कमान में लड़ा गया था। उनकी कोलियाबोर सीट परिसीमन में समाप्त हो गई तो वे जोरहाट सीट से लड़े और चुनाव जीते। कांग्रेस को तीन ही सीट मिली, लेकिन सबसे बड़ी बात यह थी कि कांग्रेस के रकिबुल हसन ने बदरूद्दीन अजमल को 10 लाख से ज्यादा वोट से हरा दिया।

कांग्रेस के नेता मान रहे हैं कि मुस्लिम वैसे भी कांग्रेस के साथ हैं इसलिए उसने अजमल की पार्टी से तालमेल नहीं किया। कांग्रेस यह भी मानती है कि इससे भाजपा को ध्रुवीकरण कराने का मौका नहीं मिलेगा। हालांकि अजमल की पार्टी अपने असर वाले इलाके खास कर धुबरी, बारपेटा, करीमगंज आदि में अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। लेकिन कांग्रेस को यह भी पता है कि जीतने के बाद अजमल के भाजपा के साथ जाने की संभावना नहीं है। यानी जरुरत पड़ने पर वे कांग्रेस के साथ देंगे। सांप्रदायिक विभाजन रोकने के लिए कांग्रेस असम के स्थानीय समूहों में पहुंच बनाने का प्रयास कर रही है। रायजोर दल और असम जातीयता परिषद से उसको इसका लाभ मिलेगा। दूसरे गौरव गोगोई की वजह से कांग्रेस को एक एडवांटेज मिला हुआ है। तभी हिमंत बिस्वा सरमा ने गोरव गोगोई को निशाना बनाया है। वे उनकी पत्नी को लेकर हमले कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि गौरव गोगोई की पत्नी का पाकिस्तान से रिश्ता है। वे पाकिस्तानी एनजीओ के लिए काम कर चुकी हैं और उनका बार बार पाकिस्तान आना जाना हुआ है। हालांकि गौरव गोगोई पर इस तरह के निजी हमले से भाजपा को नुकसान हो सकता है। उनके अलावा सरमा का मुख्य मुद्दा घुसपैठ का है। वे लगातार घुसपैठियों को बाहर निकालने के दावे कर रहे हैं। अमित शाह ने भी घुसपैठियों को बाहर निकालने और भारत की जमीन खाली कराने के लिए सरमा की तारीफ की है। अपने कामकाज और उपलब्धियों की बजाय सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कराने के मुद्दे, मियां मुस्लिम को बाहर निकालने, घुसपैठियों की पहचान करने या पाकिस्तान के नाम पर गौरव गोगोई को निशाना बनाने जैसे तमाम मुद्दे निगेटिव प्रचार वाले हैं।

इसी तरह के प्रचार सरमा ने झारखंड चुनाव में सह प्रभारी के तौर पर किया था और भाजपा बुरी तरह से हारी थी। खुद हिमंत बिस्वा सरमा कहते हैं कि असम में मुस्लिम आबादी 34 फीसदी है। इसका मतलब है कि भाजपा को जीतने के लिए 66 फीसदी हिंदू आबादी में से 70 फीसदी से ज्यादा वोट हासिल करना होगा। पिछले दो विधानसभा और दो लोकसभा चुनाव से भाजपा इसमें कामयाब होती रही है। लेकिन इस बार रास्ता आसान नहीं है। असमिया संस्कृति का मुद्दा कांग्रेस और उसकी सहयोगियों ने बनाया है तो देश के अलग अलग हिस्सों में भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषियों पर

टिप्पणी

अर्थव्यवस्था की मुश्किलें

प्रधानमंत्री के साथ अर्थशास्त्रियों की बजट पूर्व बैठक में अर्थव्यवस्था की मुश्किलें खुल कर सामने आईं। अर्थशास्त्रियों ने ब्याज चुकाने की बढ़ी देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश से आई दिक्कतों का जिक्र किया।

प्रधानमंत्री के साथ बजट पूर्व बैठक में उपस्थित अर्थशास्त्रियों ने अर्थव्यवस्था में पैदा हुई मुश्किलों का उल्लेख किया। उन्होंने ब्याज (और ऋण का मूलधन भी) चुकाने की बढ़ती देनदारी, कमजोर होती घरेलू बचत, और सरकार के बढ़े पूंजीगत निवेश के कारण निजी निवेश के सामने आई दिक्कतों का जिक्र किया। कहा कि पूंजीगत निवेश के लिए सरकार अधिक ऋण लेती है, तो निजी निवेशकों के लिए कर्ज महंगा हो जाता है। यह स्वस्थ स्थिति नहीं है। इस क्रम में सरकार पर कर्ज संबंधी देनदारी बढ़ती है। हाल यह है कि केंद्रीय बजट का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा ऋण एवं ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा है। बहरहाल, अर्थशास्त्रियों की बात मान कर सरकार पूंजीगत निवेश घटा दे, तो मौजूदा आर्थिक वृद्धि दर को बनाए रखना फिलहाल कठिन हो जाएगा।

निजी निवेश सिर्फ इसलिए नहीं कमजोर पड़ा है कि ऋण महंगा है। बल्कि बाजार में मांग ना होने के कारण निजी क्षेत्र अपनी मौजूदा क्षमता का भी उपयोग नहीं कर पा रहा, तो वह नया निवेश कहां करेगा? खुद अर्थशास्त्रियों ने उल्लेख किया कि घरेलू बचत गिरते हुए जीडीपी के लगभग सात प्रतिशत के बराबर पहुंच गई है। उन्होंने इसकी चर्चा विदेशी पूंजी निवेश को लेकर बढ़े अनिश्चय के संदर्भ में की। कहा कि इस बीच घरेलू बचत भी इतना घट गया है कि वह चालू खाते के दो फीसदी घाटे को पाटने में भी सक्षम नहीं है। मगर घरेलू बचत गिरने का एक दूसरा पहलू भी है।

यह संकेत है कि आम परिवारों का बजट दबाव में है। ऐसे में उपभोग एवं मांग में कैसे बढ़ोतरी होगी? यह नहीं हुआ, तो निजी निवेश की स्थितियां कैसे बनेंगी? तो कुल संकेत यह है कि अर्थव्यवस्था एक दुश्चक्र में फंस गई है। इसके बीच सरकार के लिए के लिए पूंजी निवेश घटाना एक जोखिम भरा कदम होगा। सामान्य स्थितियों में अर्थशास्त्रियों की ऋण एवं राजकोषीय घाटे के बीच संतुलन बनाने की सलाह उचित मानी जाती, मगर सवाल है कि मौजूदा हाल में क्या इस पर अमल करना व्यावहारिक होगा? वैसे सरकार ने इस चर्चा से क्या ग्रहण किया, यह तो अगले बजट से ही पता चलेगा।

ब्लॉग

प्रजातंत्र को वास्तविक गणतंत्र में बदलने की जरूरत

प्रो. (डा.) संजय द्विवेदी

आजादी के लगभग 8 दशक पूरे करने के बाद भारतीय गणतंत्र एक ऐसे मुकाम पर है, जहाँ से उसे सिर्फ आगे ही जाना है। अपनी एकता, अखंडता और सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यों के साथ पूरी हुई इन 8 दशकों की यात्रा ने पूरी दुनिया के मन में भारत के लिए एक आदर पैदा किया है। यही कारण है कि हमारे भारतवंशी आज दुनिया के हर देश में एक नई निगाह से देखे जा रहे हैं। उनकी प्रतिभा का आदर और मूल्य भी उन्हें मिल रहा है। हमें सोचना होगा कि आखिर हम उस सपने को कैसा पूरा कर सकते हैं जिसे पूरे करने के लिए सिर्फ कुछ साल बचे हैं। यानि 2047 में भारत को महाशक्ति और विश्वगुरु बनाने का सपना।

आजादी के लड़ाई के मूल्य आज भले थोड़ा धुंधले दिखते हों या राष्ट्रीय पर्व औपचारिकताओं में लिपटे हुए, लेकिन यह सच है कि देश की युवाशक्ति आज भी अपने राष्ट्र को उसी ज़ज्बे से प्यार करती है, जो सपना हमारे सेनानियों ने देखा था। आजादी की जंग में जिन नौजवानों ने अपना सर्वस्व निछावर किया, वही ललक और प्रेरणा आज भी भारत के उत्थान के लिए नई पीढ़ी में दिखती है। हमारे प्रशासनिक और राजनीतिक तंत्र में भले ही संवेदना घट चली हो, लेकिन आम आदमी आज भी बेहद ईमानदार और नैतिक है। वह सीधे रास्ते चलकर प्रगति की सीढ़ियाँ चढ़ना चाहता है। यदि ऐसा न होता तो विदेशों में जाकर भारत के युवा सफलताओं के इतिहास न लिख रहे होते। जो विदेशों में गए हैं, उनके सामने यदि अपने देश में ही विकास के समान अवसर उपलब्ध होते तो वे शायद अपनी मातृभूमि को छोड़ने के लिए प्रेरित न होते। बावजूद इसके विदेशों में जाकर भी उन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और ईमानदारी से भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसेडर का काम किया है। यही कारण है कि साँप, सपेरों और साधुओं के रूप में पहचाने जाने वाले भारत की छवि आज एक ऐसे तेजी से प्रगति करते राष्ट्र के रूप में बनी है, जो तेजी से अपने को एक महाशक्ति में बदल रहा है। आर्थिक सुधारों की तीव्र गति ने भारत को दुनिया के सामने एक ऐसे चमकीले क्षेत्र के रूप में स्थापित कर दिया है, जहाँ व्यवसायिक विकास की भारी संभावनाएं देखी जा रही हैं। यह अकारण नहीं है कि तेजी के साथ भारत की तरफ विदेशी राष्ट्र आकर्षित हुए हैं। बाजारवाद के हो-हल्ले के बावजूद आम भारतीय की शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक स्थितियों में व्यापक परिवर्तन देखे जा रहे हैं। ये परिवर्तन आज भले ही मध्यवर्ग तक सीमित दिखते हों, इनका लाभ आने वाले समय में नीचे तक पहुँचेगा।

भारी संख्या में युवा शक्तियों से सुसज्जित देश अपनी आंकाक्षाओं की पूर्ति के लिए अब किसी भी सीमा को तोड़ने को आतुर है। युवाशक्ति तेजी के साथ नए-नए विषयों पर काम कर रही है, जिसने हर क्षेत्र में एक ऐसी प्रयोगधर्मी और प्रगतिशील पीढ़ी खड़ी की है, जिस पर दुनिया विस्मित है। सूचना प्रौद्योगिकी, फिल्में, कृषि और अनुसंधान से जुड़े क्षेत्रों या विविध प्रदर्शन कलाएँ हर जगह भारतीय प्रतिभाएँ वैश्विक संदर्भ में अपनी जगह बना रही हैं। शायद यही कारण है कि भारत की तरफ देखने का दुनिया का नजरिया पिछले एक दशक में बहुत बदला है। ये चीजें अनायास और अचानक घट गईं हैं, ऐसा भी नहीं है। देश के नेतृत्व के साथ-साथ आम आदमी के अंदर पैदा हुए आत्मविश्वास ने विकास की गति बहुत बढ़ा दी है। भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता की तमाम कहानियों के बीच भी विश्वास के बीज धीरे-धीरे एक वृक्ष का रूप ले रहे हैं।

कई स्तरों पर बंटे समाज में भाषा, जाति, धर्म और प्रांतवाद की तमाम दीवारें हैं। कई दीवारें ऐसी भी कि जिन्हें हमने खुद खड़ा किया है और हमारा बुरा सोचने वाली ताकतें उन्हें संबल दे रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न पर भी जब देश बँटा हुआ नज़र आता है, तो कई बार आम भारतीय का दुख बढ़ जाता है। घुसपैठ की समस्या भी एक ऐसी समस्या है जिससे लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। किसी तरह भी वोट बैंक बनाने और सत्ता हासिल करने की होड ने तमाम मूल्यों को शीर्षासन करा दिया है। ऐसे में जनता के विश्वास की रक्षा कैसे की जा सकती है? आजादी के इतने साल के बाद लगभग वही सवाल आज भी खड़े हैं, जिनके चलते देश का बँटवारा हुआ और महात्मा गांधी जैसी विभूतियां भी इस बँटवारे को रोक नहीं पाईं। देश के अनेक हिस्सों में चल रहे अतिवादी आंदोलन, चाहे वे किसी नाम से भी चलाए जा रहे हों या किसी भी विचारधारा से प्रेरित हों। सबका उद्देश्य भारत की प्रगति के मार्ग में रोड़े अटकाना ही है। अनेक विकास परियोजनाओं के खिलाफ इनका हस्तक्षेप यह बताता है कि सारा कुछ बेहतर नहीं है। गणतंत्र को सार्थक करने के लिए हमें साधन संपन्नों और हाशिये पर खड़े लोगों को एक तल पर देखना होगा। क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब वह हिंदुस्तान के हर आदमी को समान विकास के अवसर उपलब्ध कराए। कानून की नजर में हर आदमी समान है, यह बात नारे में नहीं, व्यवहार में भी दिखनी चाहिए।

गणतंत्र के बारे में कहा जाता है कि वह सौ सालों में साकार होता है। भारत ने इस यात्रा की भी काफी यात्रा पूरी कर ली है। बावजूद इसके हमें डा. राममनोहर लोहिया की यह बात ध्यान रखनी होगी कि 'लोकराज लोकलाज से चलता है।' इसी के साथ याद आते हैं पं. दीनदयाल उपाध्याय जैसे लोग, जिन्होंने एकात्म मानववाद का दर्शन देकर भारतीय राजनीति को एक ऐसी दृष्टि दी है, जिसमें आम आदमी के लिए जगह है। यह दर्शन हमें दरिद्रनारायण की सेवा की मार्ग पर प्रशस्त करता है। महात्मा गांधी भी अंतिम व्यक्ति का विचार करते हुए उसके लिए इस तंत्र में जगह बनाने की बात करते हैं। हमें सोचना होगा कि गणतंत्र के इन वर्षों में उस आखिरी आदमी के लिए हम कितनी जगह और कितनी संवेदना बना पाए हैं। प्रगति और विकास के सूचकांक तभी सार्थक हैं, जब वे आम आदमी के चेहरे पर मुस्कान लाने में समर्थ हों। क्या ऐसा कुछ बताने और कहने के लिए हमारे पास है? यदि नहीं...तो अभी भी समय है भारत को महाशक्ति बनाना है, तो वह हर भारतीय की भागीदारी से ही सच होने वाला सपना है। देश के तमाम वंचित लोगों को छोड़कर हम अपने सपनों को सच नहीं कर सकते। क्या हम इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हैं।

गणतंत्र दिवस इन तमाम सवालों के जवाब खोजने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आया है। बीते समय में आतंकवाद, नक्सलवाद, क्षेत्रीयता की तमाम गंभीर चुनौतियों के सामने हमारा तंत्र बहुत बेबस दिखा। बावजूद इसके लोकतंत्र में जनता की आस्था बची और बनी हुयी है। हमारी एकता को तोड़ने और मन को तोड़ने के तमाम प्रयासों के बावजूद आम हिंदुस्तानी अपनी समूची निष्ठा से इस देश को एक देखना चाहता है। यह संकल्प लेना होगा कि हम लोकतंत्र में लोगों के भरोसे को जगा पाएं। उनकी उम्मीदों पर अवसाद की परतें न चढ़ने दें। सपनों में रंग भरने की हिम्मत, ताकत और जोश से भरा हो- आम हिंदुस्तानी तो इसी सपने को सच होते हुए देखना चाहता है। यह संयोग ही है कि नया साल और गणतंत्र दिवस हम एक ही महीने जनवरी में मनाते हैं। जाहिर तौर पर हर नए साल का मतलब कलैंडर का बदलना भर नहीं है वह उत्सव है संकल्प का, अपने गणतंत्र में तेज भरने का। आम आदमी में जो भरोसा टूटता दिखता है उसे जोड़ने का। गणतंत्र को तोड़ने या कमजोर करने में लगी ताकतों के मंसूबों पर पानी फेरने का। जनवरी का महीना इसीलिए बहुत खास है क्योंकि यह महीना देश की अस्मिता को पहली बार झकझोर कर जगाने वाले सन्यासी विवेकानंद की जन्मतिथि(12 जनवरी) का महीना है। जिन्होंने पहली बार भारत के दर्शन को विश्वमंच पर मान्यता ही नहीं दिलायी हमारे दबे-कुचले आत्मविश्वास को जागृत किया। यह महीना है नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन (23 जनवरी) का जिन्होंने विदेशी सत्ता के दांत खट्टे कर दिए और विदेशी भूमि पर भारतीयों के सम्मान की रक्षा के लिए अपनी सेना खड़ी की। जाहिर तौर पर यह महीना सही संकल्पों और महानायकों की याद का महीना है। इससे हमें प्रेरणा लेने और आगे बढ़ने की जरूरत है। नए साल का सूरज हमें एक नयी रोशनी दे रहा है उसका उजास हमें नई दृष्टि दे रहा है। क्या हम इस रोशनी से सबक लेकर, अपने महानायकों की याद को बचाने और देश को महाशक्ति बनाने के सपने के साथ खड़ा होने का हौसला दिखाएंगें?

600 पन्नों में छिपी है युवराज की मौत की कहानी, कई अफसरों पर गिर सकती है गाज, पिता बोले- 'मेरा बेटा साहसी था, लेकिन...'

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 150 में हुई इंजीनियर युवराज मौत केस में जांच के लिए गठित एसआईटी आज प्राइमरी रिपोर्ट सबमिट कर सकती है। एसआई की जांच लगभग पूरी हो गई है। एसआईटी ने करीब 5 दिन लगभग 8 घंटे नोएडा अथॉरिटी में बिताए। इस दौरान पुलिस कमिश्नर, डीएम, डीसीपी, एसीपी, सीएफओ सहित नोएडा अथॉरिटी के ACEO, DGM सिविल ट्रैफिक सेल सहित अथॉरिटी के तमाम अधिकारी भी मौजूद रहे।

सूत्रों के मुताबिक 600 से ज्यादा पन्नो की रिपोर्ट नोएडा अथॉरिटी, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की तरफ से SIT को जमा कराया गया है। SIT की रिपोर्ट के बाद कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। अथॉरिटी के संबंधित विभागों में

कार्रवाई की आहट से हड़कंप मचा हुआ है। कल दोपहर 1:30 बजे से रात करीबन 9 बजे तक SIT की टीम अथॉरिटी में रही। वहीं दोपहर लगभग 2:30 बजे से रात 9 बजे तक SIT ने चश्मदीद मोनिंदर से भी पूछताछ की।

पिता ने कहा- साहसी था बेटा, 2 घंटे तक लड़ा मौत से जंग

इंजीनियर युवराज मेहता की मौत की याद में आयोजित शोक सभा के बाद मृतक के पिता आज पहली बार कैमरे के सामने आए। उनकी आंखों में आंसू थे लेकिन आवाज में इंसाफ की एक तड़प थी। उन्होंने न केवल मीडिया और सरकार का शुक्रिया अदा किया बल्कि उस 2 घंटे की लापरवाही का काला चिट्ठा भी खोल कर रख दिया।

सिस्टम की लापरवाही ने छीन लिया बेटा

भावुक होकर पीड़ति पिता ने कहा कि सिस्टम की लापरवाही ने उसने उनका बेटा हमेशा के लिए छीन लिया। युवराज के पिता ने बताया कि उनका बेटा कायर नहीं था। जलजमाव वाले उस अंधेरे गड्ढे में गिरने के बाद भी युवराज ने मौत को 2 घंटे तक रोके रखा। वह संघर्ष करता रहा ताकि कोई आए और उसे बाहर निकाले, लेकिन सब एक दुसरे का मुह देखते रहे। अगर समय रहते कोई पानी मे कूद जाता या कोई सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होते तो मेरा बेटा आज जिंदा होता

युवरात के पिता ने की मुनेंद्र की तारीफ

शोक सभा मे उन्होने मृतक युवराज के पिता ने घटना के चश्मदीद और पानी मे कूदे मुनेंद्र की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उस लड़के के अहसान को मैं जिंदगी भर नही भूल सकता। उसने अपनी जान की परवाह किए बगैर पानी मे छलांग लगाई और मेरे बेटे को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन संसाधनों की कमी के चलते वह भी मेरे बेटे को नहीं बचा पाया।

जांच रिपोर्ट पर सबकी नजर

अब सबकी नजरें SIT की उस 600 से ज्यादा पन्नों की रिपोर्ट पर है, जो यह तय करेगी कि युवराज के कातिल कौन हैं। वो गड्ढा वो बिल्डर या वो लापरवाह प्रशासन आखिर किसी लापरवाही है। एसआईटी की टीम ने अब तक 125 लोगो के बयान दर्ज किए है। घटना के चश्मदीद मुनेंद्र के भी बयान दर्ज किए गए हैं।

सर्दी हो कोहरा हो चाहे हो मौसम साफ, श्रमदान करके गोमती मित्र रखते सीताकुंड साफ

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। गोमती मित्र संकल्प के इतने धनी और कर्मठी हैं कि उन्हें सर्दी, गर्मी, बरसात, कोहरे से फर्क नहीं पड़ता उन्हें बस चिंता इस बात की रहती है कि सीता कुंड धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को वहां स्वच्छता एवं सुरक्षा का पूरा अहसास हो, जहां तक स्वच्छता की बात है दैनिक श्रमदान के साथ-साथ हर रविवार प्रातः 3 घंटे वृहद स्वच्छता जागरूकता श्रमदान कार्यक्रम चलता है और सुरक्षा की दृष्टि से प्रातः 6:00 बजे से लेकर रात्रि 10:00 बजे तक 4/6 गोमती मित्र हमेशा सीताकुंड पर मौजूद रहते हैं साथ ही गोमती मित्र मंडल ने अपने प्रयास से पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे भी लगवा रखे हैं।

रविवार 25 फ़रवरी का साप्ताहिक श्रमदान भी प्रातः 06:00 बजे से शुरू होकर 09:00 बजे तक चलता रहा जिसमें प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह मदन,मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी,संत कुमार प्रधान,सेनजीत कसौधन दाऊ,डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, मुन्ना सोनी, मुन्ना पाठक, राकेश सिंह दद्दू, राकेश मिश्रा, ओम प्रकाश पांडे, रामु सोनी, अरुण गुप्ता, आलोक तिवारी, हैप्पी राजपूत, श्याम मौर्या, तेजस्व पाण्डेय वासु, युवराज, अर्जुन यादव आदि उपस्थित रहे।

नि :शुल्क चिकित्सा शिविर में 150 मरीज का निशुल्क इलाज जांच एवं दवा वितरण

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। विकासखंड भदैया स्थित ग्राम पंचायत भपटा में नगर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डाक्टर राजेश गौतम संचालक शुभांगी हॉस्पिटल की तरफ से दिनांक 24 जनवरी दिन शनिवार को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शहर के सुप्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ राजेश गौतम ने बताया कि शुभांगी हास्पिटल जनपद की एक ऐसी संस्था है जहां पर असहाय बेसहारा गरीब लोगों की सुबिधा के लिए निशुल्क कैम्प लगाकर इलाज किया जाता है। इसी कड़ी में शनिवार को शिविर में कुल 150 मरीज का निशुल्क इलाज व दवा वितरण किया गया। ग्राम पंचायत अध्यक्ष भपटा मनोज कुमार की अगुवाई में शिविर में उपस्थित ग्राम वासियों का शुभांगी हॉस्पिटल की तरफ से जांच कर उन्हें दवा दिया गया। चिकित्सकों की कड़ी में महिला चिकित्सक डॉक्टर ऋचा शुक्ला गायनिक सर्जन, डॉक्टर सी के भीम, डॉक्टर डीडी मिश्रा, जितेंद्र कुमार, अमन मौर्य, राहुल गौतम, के अलावा माधव यादव, मिथिलेश कुमार, शशांक कुमार यादव, मनोज कुमार मास्टर साहब, बसपा सेक्टर अध्यक्ष रामलाल सहित सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

6 महीने के लिए जिले में एंट्री बैन, ढोल–नगाड़ों के साथ हुई मुनादी, बरेली में सट्टा माफिया तन्नू पर पुलिस का एक्शन

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में पुलिस ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई करते हुए सट्टा माफिया जगमोहन उर्फ तन्नू को जिले से बाहर कर दिया। शनिवार को पुलिस ने उसे पकड़कर पीलीभीत जिले की सीमा में छोड़ दिया। इस दौरान ढोल-नगाड़े बजाकर मुनादी कराई गई और साफ कहा गया कि तन्नू अगले छह महीने तक बरेली जिले में दिखाई नहीं देना चाहिए। अगर वह इस दौरान बरेली की सीमा में मिला तो उसके खिलाफ फिर से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दरअसल, तन्नू बरेली के थाना बारादरी क्षेत्र के गंगापुर इलाके का रहने वाला है और लंबे समय से सट्टे के कारोबार में एक्टिव रहा है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक उस पर पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। एसएसपी अनुराग आर्य ने कुछ समय पहले तन्नू को जिला स्तरीय सट्टा माफिया घोषित किया था। इसके बाद थाना

बारादरी पुलिस ने उसके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय की ओर से भेजी गई रिपोर्ट पर जिला मजिस्ट्रेट की कोर्ट ने तन्नू को छह महीने के लिए जिला बदर करने का आदेश जारी किया था।

पीलीभीत में मिला तन्नू, पुलिस ने दबोचा

जिला बदर का आदेश होने के बाद से ही तन्नू फरार चल रहा था। पुलिस लगातार उसकी तलाश कर रही थी। शनिवार को थाना बारादरी के इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय एक अन्य अपराधी की तलाश में पीलीभीत जिले की तरफ गए थे। इसी दौरान उन्हें तन्नू नजर आ गया। पुलिस को देखते ही तन्नू भागने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तन्नू को हिरासत में लेने के बाद इसकी सूचना तुरंत उच्च अधिकारियों को दी गई। इसके बाद सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव बरेली से जिला मजिस्ट्रेट का आदेश लेकर नवाबगंज क्षेत्र से सटी पीलीभीत जिले की सीमा पर पहुंचे। वहां पहले से ही थाना बारादरी और नवाबगंज पुलिस की टीम मौजूद थी। पुलिस ने ढोल-नगाड़ा बजाने वालों को भी बुला रखा था। ताकि पूरे इलाके में मुनादी कराई जा सके।

सीमा पर पहुंचने के बाद सीओ पंकज श्रीवास्तव ने मजिस्ट्रेट का आदेश पढ़कर सुनाया। ढोल-नगाड़ों के साथ मुनादी कर यह ऐलान किया गया कि जगमोहन उर्फ तन्नू को छह महीने के लिए बरेली जिले से बाहर किया जा रहा है। उसे सख्त हिदायत दी गई कि अगर वह तय समय से पहले बरेली जिले में पाया गया तो उसके खिलाफ नई रिपोर्ट दर्ज होगी और जेल भेजा जाएगा। इसके बाद पुलिस ने उसे पीलीभीत जिले की सीमा में छोड़ दिया।

तन्नू पर पहले से दर्ज हैं 11 मुकदमे

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक तन्नू कोई नया अपराधी नहीं है। उसके खिलाफ थाना बारादरी और कोतवाली में कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं। इन मामलों में सट्टा, अवैध गतिविधियां और शांति भंग करने जैसे आरोप शामिल हैं। इसके अलावा उस पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि तन्नू लंबे समय से इलाके में अपराध का माहौल बना रहा था, जिससे आम लोगों में डर था। वहीं सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि जिला बदर की कार्रवाई का मकसद जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखना है। ऐसे लोगों के खिलाफ आगे भी सख्ती जारी रहेगी। पुलिस ने साफ किया है कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और कानून तोड़ने वालों के लिए बरेली में कोई जगह नहीं है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दाउदपुर का कूड़ा निस्तारण केंद्र

आर्यावर्त संवाददाता

कुड़वार/सुल्तानपुर। स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारने के सरकारी दावे कुड़वार ब्लॉक में खोखले साबित हो रहे हैं। ग्राम सभा दाउदपुर के चकौंदी गांव के समीप बना कूड़ा निस्तारण केंद्र जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उदासीनता व कथित भ्रष्टाचार के चलते स्वयं 'कूड़ा' बनने की कगार पर है। वर्षों से अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा यह केंद्र आज तक अधूरा पड़ा है, जिससे सरकारी योजनाओं के फलीभूत होने पर प्रश्नचिह्न लग गया है। स्थानीय सूत्रों और मौके की स्थिति को देखें तो इस आधे-अधूरे निर्माण में जमकर लूट-खसोट हुई है। निर्माण कार्य में मानकों को ताक पर रखकर गुणवत्ता विहीन सामग्री का प्रयोग किया गया है। केंद्र की नींव में धड़ल्ले से पीली ईंटों का इस्तेमाल हुआ है और मटीरियल में सीमेंट की मात्रा न के बराबर रखी गई है। परिणाम यह है कि बनने से पहले ही भवन जगह-जगह से दरकने लगा है और मटीरियल टूटकर गिर रहा है।वायरल वीडियो और ग्रामीणों के आक्रोश ने जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली की पोल खोलकर रख दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि इस निर्माण कार्य की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए, तो संबंधित लोगों का जेल जाना तय है। एक तरफ सरकार,गांव को स्वच्छ बनाने के लिए लाखों का बजट जारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार अपनी जेबें भरने में व्यस्त हैं। फिलहाल, अधूरा पड़ा यह ढांचा खंडहर में तब्दील हो रहा है, जिससे न केवल राजस्व की क्षति हो रही है बल्कि क्षेत्र में गंदगी की समस्या भी जस की तस बनी हुई है। अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस खुले भ्रष्टाचार पर संज्ञान लेता है या जांच के नाम पर खानापूर्ति की जाती है।

औरैया में मानसिक रूप से बीमार महिला से दरिंदगी, खेत में मां–बाप के साथ चारा काटने गई थी

आर्यावर्त संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में मानवता को शर्मसार कर देने वाला एक मामला सामने आया है। एक मानसिक रूप से बीमार महिला के साथ गांव के ही 50 वर्षीय व्यक्ति ने दुष्कर्म किया और घटना के बाद मौके से फरार हो गया। शिकायत के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना जिले के सहायल थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हैं। पुलिस के अनुसार पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कैसे और कब हुई घटना?

घटना उस समय हुई, जब थाना क्षेत्र के एक गांव में करीब 50 वर्षीय

मानसिक रूप से बीमार महिला अपने माता-पिता के साथ खेत में चारा काटने गई थी। चारा कटने के बाद माता-पिता चारा रखने के लिए घर चले गए और महिला को वहीं खेत में छोड़ दिया। इसी दौरान गांव के ही 55 वर्षीय अधेड़ देवीदयाल राजपूत पुत्र मथुरा प्रसाद ने मौके का फायदा उठाते हुए महिला को गांव के परिषदीय स्कूल के पास बने शौचालय में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

महिला के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर जब उसके माता-पिता मौके पर पहुंचे, तो आरोपी महिला को छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता की मां ने सहायल थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं एसपी अभिषेक भारती ने बताया कि पीड़ित परिजनों के शिकायत के बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपित देवी दयाल राजपूत को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही आरोपी के खिलाफ रेप सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

ग्रेटर नोएडा : रात में ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सो गए, सुबह में कमरे में मिली दो भाइयों की लाश

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक थर्ड कोतवाली क्षेत्र के जलपुरा गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। ठंड से बचने के लिए कमरे में अंगीठी जलाकर सोए दो भाइयों की दम घुटने से मौत हो गई। सुबह जब काफी देर तक दोनों कमरे से बाहर नहीं निकले, तब पड़ोसियों को अनहोनी की आशंका हुई। दरवाजा तोड़कर अंदर देखा गया तो दोनों युवक मृत अवस्था में पड़े थे।

मृतकों की पहचान साहिल (19 वर्ष) और फुरकान (30 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में चचेरे भाई थे और रोज़गार की तलाश में हाल ही में ग्रेटर नोएडा आए थे। वे पेशे से बढ़ई (कारपेंटर) थे और जलपुरा गांव में किराए के एक छोटे कमरे में रहकर काम करते थे। परिवार के अनुसार, शुक्रवार को बारिश के कारण वे काम पर नहीं गए थे। उस दिन ठंड अधिक थी, इसलिए रात में खाना खाने के बाद उन्होंने कमरे के अंदर अंगीठी जला ली और सो गए।

दम घुटने से दो भाइयों की मौत

संभावना जताई जा रही है कि बंद कमरे में अंगीठी जलने से कार्बन मोनोऑक्साइड गैस भर गई, जिससे उनका दम घुट गया। यह गैस बिना गंध की होती है और धीरे-धीरे व्यक्ति को बेहोश कर देती है, जिससे ऐसे हादसे हो जाते हैं। सुबह जब काम पर जाने का समय हुआ और दोनों नहीं उठे, तो पास में रहने वाले उनके साथी अकरम ने दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर लोगों ने दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए।

गांव में पसरा मातम

दोनों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजन गहरे सदमे में आ गए। शनिवार सुबह परिवार के लोग ग्रेटर नोएडा पहुंचे और दोनों के शव अपने पैतृक गांव ले गए, जहां उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक साथ दो भाइयों के जनाजे उठने से गांव में मातम छा गया और माहौल गमगीन हो गया। ईकोटेक थर्ड थाना प्रभारी के अनुसार, परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव अपने साथ ले गए। पुलिस का कहना है कि उन्हें बाद में घटना की जानकारी मिली। एहतियात के तौर पर परिजनों से संपर्क किया जा रहा है, लेकिन अब तक किसी प्रकार की शिकायत नहीं मिली है। यदि भविष्य में कोई सूचना या शिकायत मिलती है, तो उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंदिर की घंटियां चुराने आए चोर, आवाज न हो इसलिए की चालाकी जाते-जाते भगवान को किया प्रणाम

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी में चोरी की एक अनोखी घटना सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया। जारचा रोड स्थित सिद्धपीठ महाकालेश्वर मंदिर परिसर में बने खाटू श्याम मंदिर को चोरों ने निशाना बनाया। बदमाश हेलमेट और दस्ताने पहनकर मंदिर में घुसे, सामान चुराया और जाते समय भगवान के सामने हाथ जोड़कर निकल गए। पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई है।

जानकारी के अनुसार, यह घटना 24 जनवरी की दोपहर करीब 1 बजकर 18 मिनट की है। दो युवक मंदिर परिसर में दाखिल हुए। एक ने सिर पर हेलमेट पहन रखा था और हाथों में दस्ताने थे, जबकि दूसरा अपने कंधे पर बैग टांगे हुए था। शुरुआत में दोनों ने सामान्य श्रद्धालुओं की तरह व्यवहार किया

और इधर-उधर नजर दौड़ाई। इसके बाद उन्होंने मंदिर में रखी छोटी ज्योति (दीप) और कुछ घंटियां उठाकर बैग में रख लीं।

मंदिर से कैसे घंटे चुराए

चोरों की नजर मंदिर में लगे बड़े घंटे पर भी थी। दोनों कुछ देर तक उसे देखते रहे, फिर बैग से औजार निकाला। उन्होंने घंटे को पकड़ने वाली चेन को काट दिया और बड़े घंटे को भी बैग में डाल लिया। यह पूरी प्रक्रिया बेहद सुनियोजित तरीके से की गई, जिससे साफ है कि वे तैयारी के साथ आए थे। घंटियां आवाज न करें, इसलिए एक चोर चेन काट रहा था, दूसरा घंटी की जीभ (धातु का टुकड़ा) को पकड़ रखा था। हैरानी की बात यह रही कि चोरी पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों ने मंदिर के मुख्य स्थान की ओर मुड़कर हाथ जोड़े, मानो प्रार्थना कर रहे हों। इसके बाद वे 1 बजकर 25 मिनट पर मंदिर से बाहर निकल गए। यानी पूरी वारदात महज सात मिनट में अंजाम दी गई।

मंदिर प्रबंधन को जब चोरी की जानकारी मिली तो उन्होंने सीसीटीवी फुटेज खंगाली, जिसमें दोनों युवक साफ तौर पर दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में उनकी गतिविधियां स्पष्ट हैं, जिससे उनकी पहचान में मदद मिलने की उम्मीद है। मंदिर समिति ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है।

अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। आसपास के इलाकों में भी पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आरोपी स्थानीय हैं या बाहर से आए थे। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

युवा वनबिहार कार्यक्रम' का हुआ आयोजन

सुलतानपुर। कुशभवनपुर नगर स्थित पर्यावरण पार्क में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 25 जनवरी 2026 को 'युवा वनबिहार कार्यक्रम' का आयोजन किया। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति और सेवा भाव की अलख जगाना था। युवाओं ने विभिन्न खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया। नगर संघचालक अमरपाल ने अपने संबोधन में संघ की देश सेवा की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए यह समझना आवश्यक है कि संघ देश में क्या सेवा कर रहा है। संघ न केवल शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर देता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। संघ शताब्दी वर्ष (1925 से 2025) के अवसर पर पूरे देश में ऐसे सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

'क्रांतिकारियों के लहू...' 26 जनवरी पर दिल छू लेगा ये गणतंत्र दिवस का भाषण

हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। यह देश के सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय त्योहारों में से एक है। यह उस दिन की याद दिलाता है जब 1950 में हमारे देश का संविधान लागू हुआ था। तब से हर साल गणतंत्र दिवस बताता है कि भारत एक संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य है। यह दिन स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के लहू से आजादी की लड़ाई और बहादुरी की भी याद दिलाता है। इस दिन कार्यक्रमों के आयोजनों में स्पीच महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस आर्टिकल में 26 जनवरी पर दिल छू लेने वाला भाषण तैयार कर सकते हैं।

26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर भाषण

सम्मानितजन, शिक्षकों और साथियों, सभी को सुप्रभात। आज मुझे गणतंत्र दिवस के अवसर पर यहां खड़े होकर बोलने में गर्व महसूस हो रहा है। जब-जब तिरंगा लहराता है तो हमें अपनी आजादी पर गर्व होता है। हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का अवसर भी कुछ ऐसा ही होता है। 1950 में जब भारत का संविधान लागू हुआ तो आज ही की वो तारीख थी। तब से हर साल यह दिन राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति के साथ-साथ हमें याद दिलाता है कि देश की आजादी और संविधान के बाद भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक और गणतंत्र राष्ट्र है। गणतंत्र दिवस न केवल उत्सव है बल्कि यह बताता है कि कैसे देश की आजादी के लिए हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों ने संघर्ष किया था। उनके साहस, समर्पण और बलिदान ने आज के आधुनिक भारत की नींव रखी थी, जिसमें हम रहते हैं। जैसे ही हम इस विशेष दिन को मनाते हैं तो वैसे ही हम जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों को याद रखें। धन्यवाद। जय हिंद।

गणतंत्र दिवस पर भाषण कैसे दें?

गणतंत्र दिवस पर भाषण की शुरुआत कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के संबोधन से कर सकते हैं। जैसे- आदरणीय शिक्षक और मेरे साथियों...सभी को 26 जनवरी की शुभकामनाएं। आज हम सब यहां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए हैं जो हमारे देश के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। 26 जनवरी 1950 का वो दिन जब भारत का संविधान लागू हुआ था तो हम हमारा देश एक लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया था। संविधान ने हमें समानता और आजादी से जीने का अधिकार दिया लेकिन कुछ कर्तव्य भी बताए, जिन्हें हम सभी समझकर बेहतर राष्ट्र-निर्माण की ओर बढ़ें।

जिम्मेदारियों को समझने का दिन है 26 जनवरी

यह दिन भारत की समृद्ध संस्कृति, एकता और विविधता जश्न मनाने के लिए ही नहीं बल्कि उन सभी क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का भी है। यह समय देश के प्रति अपने प्यार और सम्मान को व्यक्त करने और एक जिम्मेदार नागरिक के तौर पर अपने कर्तव्यों पर विचार करने का होता है। साथियों...याद रखें कि इस महान देश का नागरिक होने के नाते हमारी कुछ जिम्मेदारियां भी हैं जैसे- संविधान का सम्मान करना, दूसरों की मदद करना और समाज में सकारात्मक योगदान देना है। अंत में मैं इतना ही बोलूंगा कि हम अपने तिरंगे को सलाम करें और न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्श बनाए रखें। धन्यवाद। जय हिंद-जय भारत।

गणतंत्र दिवस पर छोटा भाषण क्या है?

यहां उपस्थित सभी लोगों को मेरा नमस्कार। साथियों, जब-जब हमारे देश का ध्वज लहराता है तो हम सब को गर्व से भर देता है। आज 26 जनवरी को हम सब गणतंत्र दिवस मना रहे हैं जो हमारे संविधान के लागू होने का दिन है। 1950 में इसी दिन संविधान को अपनाने के साथ भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य बना था। यह दिन हमारे मूल्यों और अधिकारों को समझने का है। इस दिन हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान भी याद आते हैं जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी थी। राष्ट्र की एकता, विविधता और संस्कृति का सम्मान करने के लिए हमें अपनी जिम्मेदारियों को निभाना होगा। आइए हम सब संकल्प लें कि अपने महान राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि में योगदान देते रहेंगे। धन्यवाद।

पहली गणतंत्र दिवस परेड में क्या-क्या खास था? 1950 की तस्वीरें और किस्से

पहला गणतंत्र दिवस आज से बिल्कुल अलग था। उस समय परेड में झांकियां नहीं, बल्कि सादगी के साथ अनुशासन और एकता का प्रदर्शन हुआ था। बुलेट प्रूफ गाड़ी के बजाय राष्ट्रपति बग्घी से आए थे।

भारत के इतिहास में 26 जनवरी 1950 वह सुबह थी, जब देश ने सिर्फ संविधान ही नहीं अपनाया, बल्कि अपनी नई पहचान को दुनिया के सामने गर्व से पेश किया। आज की भव्य और तकनीक से सजी गणतंत्र दिवस परेड को देखकर शायद यकीन करना मुश्किल हो, लेकिन पहली परेड सादगी, अनुशासन और आत्मसम्मान की मिसाल थी।

उस समय परेड में आज जैसी झांकियों की भरमार नहीं थी, लेकिन सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियों ने अनुशासन और एकता का शानदार प्रदर्शन किया। राज्यों की सांस्कृतिक झलक सीमित थी, पर संदेश स्पष्ट था कि भारत विविध है, लेकिन एक है।

1950 की तस्वीरों में सादे परिधानों में खड़े लोग, तिरंगे से सजी सड़कें और बिना तामझाम का उत्सव दिखता है। यही सादगी उस दौर की ताकत थी। सच कहें तो, पहली गणतंत्र दिवस परेड ने यह साबित कर दिया कि भारत की असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि उसके संविधान और जनता में है।

राजेंद्र प्रसाद पालकी बग्घी से पहुंचे थे कार्यक्रम में

पहली गणतंत्र दिवस परेड नई दिल्ली के इरविन स्टेडियम (आज का नेशनल स्टेडियम) से शुरू होकर किंग्सवे (अब राजपथ/कर्तव्य पथ) तक पहुंची। देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद खुली बग्घी में सवार थे, उस समय न कोई बुलेटप्रूफ शीशा था, न आधुनिक सुरक्षा घेरा। जनता सड़कों के दोनों ओर खड़ी थी, आंखों में उत्साह और दिल में आज़ादी का गर्व लिए।

पहली गणतंत्र दिवस परेड

ये तस्वीर 26 जनवरी 19950 की है, जब पहले गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय सेना के 3000 से ज्यादा जवानों ने राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के सामने मार्च किया। उस समय नई दिल्ली के इरविन स्टेडियम से राष्ट्रपति भवन तक गणतंत्र दिवस परेड आयोजित की गई थी, इस परेड का उद्देश्य भारत की सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्रीय एकता को प्रदर्शित करना था।

संविधान सभा सदस्य नेहरू, पटेल के साथ

संविधान सभा की ये तस्वीर 25 जनवरी 1950 की है। इसमें पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, बाबासाहेब अंबेडकर, पहली पंक्ति में तत्कालीन नेताओं के साथ बैठे हैं।

संविधान निर्माण में इन महिलाओं की थी भूमिका

तस्वीर में नजर आ रहीं महिलाएं संविधान सभा की सदस्य हैं। इसमें जिसमें अम्मू स्वामीनाथन, एनी मैकलारेन, बेगम एजाज रसूल, दुर्गाबाई देशमुख, हंसा जीवराज मेहता, राजकुमारी अमृत कौर, सरोजिनी नायडू, सुजेता कृपलानी, विजयलक्ष्मी पंडित, दक्षायनी वेलायुधन, कमला चौधरी, लीला रॉय, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, रेणुका रे का नाम शामिल है।

ये गाने नहीं, एहसास है देशभक्ति का, इस गणतंत्र दिवस को इन 5 ट्रैक के साथ मनाए

भाषणों और परेड से इतर अगर आप अपने रिपब्लिक डे को घर पर म्यूजिकल अंदाज में मनाना चाहते हो तो प्लेलिस्ट में इन हिंदी सॉन्ग्स को जरूर शामिल करिए।

गणतंत्र दिवस सिर्फ परेड और भाषणों का दिन नहीं है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि हम कौन हैं, हमारी पहचान क्या है और हमें एक देश के रूप में क्या जोड़ता है।अगर आपकी 26 जनवरी की प्लेलिस्ट अभी भी अधूरी लग रही है, तो ये देशभक्ति से भरे फिल्मी गाने जरूर शामिल करें। ये गाने भारत की भावना, गर्व और बलिदान को बहुत खूबसूरती से दर्शाते हैं। 26 जनवरी के लिए 5 दमदार देशभक्ति फिल्मी गाने

1. 'भगवा है अपनी पहचान'– सुखविंदर सिंह (फिल्म: शतक – 2026)

यह गाना सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि एक जोशीला संदेश है। सुखविंदर सिंह की दमदार आवाज़ इसे पहचान, अनुशासन और देश के लिए गर्व का गीत बना देती है। इस गणतंत्र दिवस पर जोश भरने के लिए यह एकदम सही है।

2. 'हिंदुस्तान मेरी जान' – शंकर महादेवन, कुलभूषण खरबंदा और सोनाली राठौड़ (फिल्म बॉर्डर 2 – 2026)

यह गाना सच्चे मायने में 'नेशन फर्स्ट' के भाव को खुलकर प्रदर्शित करता है। शंकर महादेवन की प्रेरणादायक आवाज़ और सोनाली की भावुक गायकी मिलकर इसे हिम्मत, बलिदान और देशभक्ति से भर देती है।

3. 'हम फौजी हैं' – एआई जेनरेटेड वोकल्स (फिल्म: इक्कीस – 2026)

यह गाना सीधा, सच्चा और गर्व से भरा हुआ है। भले ही इसमें आवाज़ AI से बनाई गई है, लेकिन इसका भाव बहुत मजबूत है। यह गाना हमारे सैनिकों की एकता, हिम्मत और कर्तव्य को सलाम करता है।

4. 'मैं हूं वो धरती मां' – श्रेया घोषाल (फिल्म: 120 बहादुर – 2025)

यह गाना तेज़ नहीं है, लेकिन दिल को छू जाने वाला है। श्रेया घोषाल की मीठी और भावुक आवाज़ में देश को माँ के रूप में दिखाया गया है। यह हमें प्यार, कर्तव्य और अपनी मिट्टी की अहमियत याद दिलाता है।

5. 'माये' – बी प्राक (फिल्म: स्काई फोर्स – 2025)

यह हाल के समय का सबसे भावुक देशभक्ति गीतों में से एक है। इस गाने में एक माँ की नजर से देश के लिए होने वाले बलिदान को दिखाया गया है। बी प्राक की आवाज में दर्द, इंतजार और परिवारों की चुप कुर्बानी साफ महसूस होती है।

भारत में आ रहा है 10,001एमएएच बैटरी वाला पहला स्मार्टफोन, इस दिन को होगा लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्मार्टफोन बाजार में बैटरी की समस्या को हमेशा के लिए खत्म करने के उद्देश्य से रियलमी अपना नया फोन 'रियलमी पी4 पावर 5जी' लॉन्च करने जा रही है। यह डिवाइस 29 जनवरी को भारत में दस्तक देगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी विशालकाय 10,001 एमएएच की बैटरी है, जो इसे व्यावसायिक रूप से उपलब्ध इतनी बड़ी बैटरी वाला उद्योग का पहला स्मार्टफोन बनाती है। कंपनी का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को पावर बैंक और चार्जिंग केबल की निर्भरता से मुक्त करना है, ताकि लंबी यात्राओं, गेमिंग और काम के दौरान फोन बिना रुके चलता रहे।

अक्सर बड़ी बैटरी का मतलब भारी और मोटा फोन होता है, लेकिन रियलमी ने इस धारणा को बदल दिया है। कंपनी ने इसमें सिलिकॉन-कार्बन एनोड तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिससे बिना वजन बढ़ाए उच्च ऊर्जा घनत्व मिलता है। यही वजह है कि 10,001 एमएएच की बैटरी होने के बावजूद, यह फोन मात्र 219 ग्राम वजन और 9.08 एमएम की मोटाई के साथ अपनी श्रेणी में दुनिया का सबसे पतला और हल्का स्मार्टफोन है। स्पेस बचाने वाले बैटरी आर्किटेक्चर ने इसे पारंपरिक मोटे फोन्स से अलग एक स्लीक डिजाइन दिया है।

सुरक्षा और मजबूती के मामले में भी यह फोन मानकों पर खरा उतरता है। यह दुनिया का पहला 10,000 एमएएच प्लस स्मार्टफोन है जिसने सैन्य-स्तरीय शॉक टेस्ट पास किए हैं और इसे टीयूवी राइनलैंड की 5-स्टार रेटिंग मिली है। इसमें पांच-स्तरीय बैटरी सुरक्षा प्रणाली दी गई है। कंपनी का दावा है कि यह फोन -30 डिग्री सेल्सियस की कड़ाके की ठंड से लेकर 56 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी तक में सुरक्षित और स्थिर तरीके से काम करता है।

फोन को लंबे समय तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें टाइटन लॉन्ग-लाइफ एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया गया है, जो हजारों चार्जिंग साइकिल के बाद भी बैटरी की सेहत बनाए रखता है। कंपनी चार साल की बैटरी हेल्थ वारंटी दे रही है, जिसमें सालों के इस्तेमाल के बाद भी 80 प्रतिशत से ज्यादा हेल्थ बरकरार रहने का दावा है। इसे आठ साल के बैटरी स्वास्थ्य मानक को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है, ताकि यूजर को बार-बार फोन अपग्रेड न करना पड़े। लॉन्च के बाद रियलमी पी4 पावर 5जी को फ्लिपकार्ट और रियलमी की आधिकारिक वेबसाइट से खरीदा जा सकेगा।

मुंबई में एलन मस्क के प्यार में फंसी महिला, ऐसे हुई 16 लाख की ठगी, अमेजन गिफ्ट कार्ड से वसूले पैसे

मुंबई, एजेंसी। मायानगरी मुंबई में साइबर ठगी का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां शातिर ठगों ने दुनिया के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ 'एलन मस्क' की पहचान का इस्तेमाल कर एक महिला को लाखों का चूना लगा दिया। ठगों ने न केवल महिला को यह विश्वास दिलाया कि वह खुद एलन मस्क हैं, बल्कि उसे अमेरिका बुलाकर शादी करने और एक खुशहाल जिंदगी देने का सपना भी दिखाया। प्यार और विदेश जाने के झांसे में आकर महिला ने अपनी गाढ़ी कमाई गंवा दी। ईस्ट रीजन साइबर पुलिस ने 20 जनवरी को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर हुई दोस्ती, फिर बुना अमेरिका का जाल

पुलिस शिकायत के अनुसार, पीड़ति महिला और ठगों के बीच संपर्क का यह सिलसिला अक्टूबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच चला। आरोपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (पूर्व में ट्विटर) पर महिला से बातचीत शुरू की और दावा किया कि वह असली एलन मस्क है। आरोपी ने अपनी बातों से महिला का भरोसा इस कदर जीता कि उसे एक चैटिंग ऐप डाउनलोड करने के लिए मना लिया। वहां दोनों के बीच लंबी बातचीत होने लगी। आरोपी ने महिला को भावनात्मक रूप से अपने जाल में फंसाया और उसे अमेरिका शिफ्ट होने का प्रस्ताव दिया, जिसे महिला ने सच मान लिया।

वीजा और गिफ्ट कार्ड के जरिए ठगे 16.34 लाख

योजना को अंजाम देने के लिए 'फर्जी मस्क' ने महिला को 'जेम्स' नाम के एक शख्स से संपर्क करने को कहा, जिसे उसने अपना एजेंट बताया था। जेम्स ने महिला से अमेरिका के वीजा और फ्लाइट टिकट की प्रोसेसिंग फीस के नाम पर पैसों की मांग शुरू कर दी। पुलिस जांच में पता चला है कि शातिरों ने सीधे बैंक ट्रांसफर के बजाय, प्रोसेस को तेज करने का बहाना बनाकर महिला से बार-बार अमेजन गिफ्ट कार्ड खरीदने को कहा। महिला गिफ्ट कार्ड खरीदकर कोड शेयर करती रही और इस तरह आरोपियों ने उससे कुल 16.34 लाख रुपये ठग लिए।

2 लाख की एक्स्ट्रा डिमांड पर खुला राज

ठगी का यह खेल तब तक चलता रहा, जब तक जेम्स ने महिला से अचानक 2 लाख रुपये और जमा करने की मांग नहीं की। लगातार पैसों की मांग और बार-बार गिफ्ट कार्ड का तरीका अपनाने पर महिला को शक हुआ। जैसे ही उसने सवाल-जवाब शुरू किए, खुद को एलन मस्क बताने वाले शख्स ने तुरंत उसे ब्लॉक कर दिया और संपर्क के सारे रास्ते बंद कर दिए। ठगे जाने का अहसास होने पर पीड़ति ने घबराकर पूरी बात अपने माता-पिता को बताई। परिवार की सलाह पर उसने पुलिस की शरण ली। फिलहाल साइबर पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क और नेवार्क की सभी उड़ानें की रद्द, 25-26 जनवरी के लिए जारी हुई एडवाइजरी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में आने वाले ऐतिहासिक और भीषण विंटर स्टॉर्म (बर्फीले तूफान) के खतरे को देखते हुए एयर इंडिया ने बड़ा फैसला लिया है। एयरलाइन ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के नेवार्क हवाई अड्डे से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यह कदम यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। एयरलाइन ने एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी करते हुए बताया है कि अमेरिका के ईस्ट कोस्ट, विशेषकर न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के इलाकों में रविवार सुबह से सोमवार तक भारी बर्फबारी और कड़ाके की ठंड पड़ने की प्रबल संभावना है, जिससे हवाई यातायात संचालन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

करोड़ों लोगों पर तूफान का खतरा, अन्य एयरलाइंस भी प्रभावित

अमेरिका इस समय एक रिकॉर्ड तोड़ विंटर स्टॉर्म की चपेट में है, जिसका असर सेंट्रल प्लेन्स से लेकर नॉर्थ-ईस्ट तक देखने को मिल रहा है। नेशनल वेदर सर्विस (ह्ड्ड्स) ने गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह तूफान करोड़ों लोगों के जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, भारी बर्फबारी, बर्फीली बारिश और खतरनाक ठंड के कारण स्थिति बेहद नाजुक हो सकती है। आशंका जताई जा रही है कि कई इलाकों में सड़कें बंद हो सकती हैं, बिजली आपूर्ति ठप हो सकती है और यातायात पूरी तरह से थम सकता है। यही कारण है कि एयर इंडिया के अलावा कई अन्य अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने भी प्रभावित इलाकों के लिए अपनी सेवाएं या तो सीमित कर दी हैं या रद्द कर दी हैं।

ट्रंप ने स्नश्वरूर को किया अलर्ट, लोगों से घरों में रहने की अपील

इस प्राकृतिक आपदा की गंभीरता को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी बयान जारी कर प्रशासन की तैयारियों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि व्हाइट हाउस हालात पर पैनी नजर बनाए हुए है और फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (स्नश्वरूर) को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है। राष्ट्रपति ने बताया कि संघीय और स्थानीय एजेंसियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के निर्देश दे दिए गए हैं। वहीं, मौसम विशेषज्ञों ने आम लोगों से अपील की है कि वे बेहद जरूरी होने पर ही यात्रा करें और आधिकारिक मौसम अपडेट पर नजर रखें। एयर इंडिया ने भी अपने यात्रियों को सलाह दी है कि वे फ्लाइट स्टेटस की जानकारी के लिए लगातार आधिकारिक वेबसाइट और कस्टमर सपोर्ट के संपर्क में रहें।

विमानन क्षेत्र में भारत की ताकत को वैश्विक मंच पर मिली मान्यता, ड्रोन से मेडिकल सेवाओं तक रखी रणनीति

दावोस, एजेंसी। दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) 2026 में कई उच्च स्तरीय बैठकों, रणनीतिक सम्मेलनों और बहुपक्षीय वार्ताओं में नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने भाग लिया। इसमें वैश्विक नेताओं ने विमानन, अवसंरचना, स्थिरता, नवाचार और वैश्विक आर्थिक सहयोग में भारत के बढ़ते नेतृत्व की पुष्टि की। नायडू ने स्वायत्त गतिशीलता को प्रोत्साहन सत्र में ड्रोन नियम के नीतिगत ढांचों, दूरस्थ क्षेत्रों में मेडिकल सेवाओं समेत कई मामलों में भारत की तैयारियों पर भारत के सुनियोजित दृष्टिकोण की रूपरेखा रखी।

विमानन व ऊर्जा में अवसर तलाशें

राम मोहन नायडू ने प्रगति समूह, स्किल्डएआई और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ कई उपयोगी द्विपक्षीय बैठकें कीं। इनमें विमानन, अवसंरचना और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का पता लगाया गया। उन्होंने कहा, डब्ल्यूईएफ मंच वैश्विक हितधारकों के साथ जुड़ने और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच भारत के लिए साझेदारी को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

भारत-ईयू सहयोग पर चर्चा

नायडू ने यूरोपीय संघ (ईयू) के परिवहन आयुक्त अपोस्टोलोस त्जित्जिकोस्टास के साथ परिवहन एक महत्वपूर्ण राजनयिक बैठक में पारिस्थितिकी तंत्र में स्थिरता, नवाचार और भारत-ईयू सहयोग पर चर्चा की।

जलवायु डाटा की भूमिका पर जोर

वैश्विक सहयोग को और मजबूत करते हुए राम मोहन नायडू ने विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की महासचिव सेलेस्टे साउलो से मुलाकात की और विमानन सुरक्षा, लचीलापन और टिकाऊ संचालन को बढ़ाने पर गहन बातचीत की।

एसएएफ पर भारत का दृष्टिकोण साझा किया

एयरपोर्ट ऑफ टूमारो सत्र में, राम मोहन नायडू ने सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) पर भारत का दृष्टिकोण साझा किया। इसमें उत्पादन बढ़ाने, लागत को संतुलित करने में तेजी लाने के लिए सरकारों और उद्योग के बीच समन्वय बढ़ाने पर अपनी बात रखी।

पांच सेकंड में मारी 10 गोलियां, संघीय एजेंट्स ने एक और व्यक्ति की जान ली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर द्वारा अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैनात किए गए संघीय एजेंट्स इस कदर बेलगाम हो चुके हैं कि वे इंसानी जीवन की कीमत ही नहीं समझ रहे हैं। बीते दिनों मिनेसोटा में संघीय एजेंट्स ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब मिनियापोलिस में एक बार फिर एक व्यक्ति संघीय एजेंट्स की गोलियों का शिकार बना है। संघीय एजेंट्स ने शनिवार को मिनियापोलिस में एक 37 साल के व्यक्ति एलेक्स जेफ्री प्रेटी की सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले पर अमेरिका में हंगामा हो गया है। जानिए इस मामले से जुड़ी 10 बड़ी बातें-

क्यों हो रहे हैं विरोध प्रदर्शन

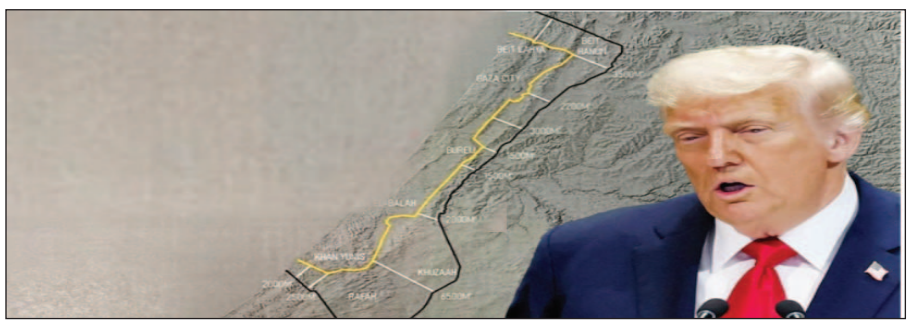

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अप्रवासन विभाग के एजेंट्स द्वारा कार्रवाई की जा रही है। डेमोक्रेट्स शासित मिनियापोलिस और मिनेसोटा में इस कार्रवाई का कड़ा विरोध किया जा रहा है, जिसे लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। दोनों जगहों पर संघीय एजेंट्स का स्थानीय लोगों द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बीते दिनों भी मिनेसोटा में एक महिला की संघीय एजेंट्स द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

घटना के वक्त-क्या हुआ

घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कुछ लोग संघीय एजेंट्स का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान संघीय एजेंट्स ने एक महिला और एक व्यक्ति 37 वर्षीय एलेक्स जेफ्री प्रेटी को पकड़ने की कोशिश की। पहले दोनों को काबू करने के लिए संघीय एजेंट्स ने पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

इस दौरान जेफ्री ने संघीय एजेंट्स से बचने का प्रयास किया और इस दौरान थोड़ी धक्कामुक्की हुई। इसी दौरान संघीय एजेंट्स ने जेफ्री पर गोली चला दी। इस दौरान पांच सेकंड्स के दौरान ही करीब 10 गोलियां चलाई गईं।

संघीय एजेंट्स की गोलीबारी में मारा गया एलेक्स जेफ्री एक अमेरिकी नागरिक था और इलियोनिस में पैदा हुआ था। एलेक्स की पढ़ाई विस्कोंसिन में हुई और यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा से उसने स्नातक की पढ़ाई की थी

एलेक्स जेफ्री एक रिसर्च साइंटिस्ट के तौर पर काम कर चुका था और फिलहाल एक पंजीकृत नर्स था।

एलेक्स के पिता ने बताया कि संघीय एजेंट्स द्वारा जिस तरह से लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है, उससे वह बेहद परेशान था और संघीय एजेंट्स के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में शामिल था। एलेक्स के परिजनों का कहना है कि उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं था और उसका कोई अपराधी रिकॉर्ड नहीं था।

होमलैंड सिक्योरिटी ने बयान जारी कर कहा है कि जेफ्री 9 एमएम की सेमी ऑटोमैटिक हैंडगन लेकर बॉर्डर पेट्रोल अफसरों की तरफ बढ़ा था। जिसके बाद संघीय एजेंट्स ने उसे गोली मार दी। हालांकि ये स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या उसने अफसरों को बंदूक दिखाई थी या नहीं।

सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि जेफ्री के हाथ में मोबाइल फोन है, लेकिन उसके पास को हथियार नहीं दिख रहा है।

एलेक्स जेफ्री के परिजनों ने संघीय एजेंट्स द्वारा उनके बेटे को घरेलू आतंकी कहने पर भी कड़ी नाराजगी जाहिर की और एक लिखित बयान जारी कर इस पर आपत्ति जताई।

पांच सेकंड में मारी 10 गोलियां, संघीय एजेंट्स ने एक और व्यक्ति की जान ली

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर द्वारा अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैनात किए गए संघीय एजेंट्स इस कदर बेलगाम हो चुके हैं कि वे इंसानी जीवन की कीमत ही नहीं समझ रहे हैं। बीते दिनों मिनेसोटा में संघीय एजेंट्स ने एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अब मिनियापोलिस में एक बार फिर एक व्यक्ति संघीय एजेंट्स की गोलियों का शिकार बना है। संघीय एजेंट्स ने शनिवार को मिनियापोलिस में एक 37 साल के व्यक्ति एलेक्स जेफ्री प्रेटी की सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस मामले पर अमेरिका में हंगामा हो गया है। जानिए इस मामले से जुड़ी 10 बड़ी बातें-

क्यों हो रहे हैं विरोध प्रदर्शन

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अप्रवासन विभाग के एजेंट्स द्वारा कार्रवाई की जा रही है। डेमोक्रेट्स शासित मिनियापोलिस और मिनेसोटा में इस कार्रवाई का कड़ा विरोध किया जा रहा है, जिसे लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। दोनों जगहों पर संघीय एजेंट्स का स्थानीय लोगों द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। बीते दिनों भी मिनेसोटा में एक महिला की संघीय एजेंट्स द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

घटना के वक्त-क्या हुआ

घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि कुछ लोग संघीय एजेंट्स का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान संघीय एजेंट्स ने एक महिला और एक व्यक्ति 37 वर्षीय एलेक्स जेफ्री प्रेटी को पकड़ने की कोशिश की। पहले दोनों को काबू करने के लिए संघीय एजेंट्स ने पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

इस दौरान जेफ्री ने संघीय एजेंट्स से बचने का प्रयास किया और इस दौरान थोड़ी धक्कामुक्की हुई। इसी दौरान संघीय एजेंट्स ने जेफ्री पर गोली चला दी। इस दौरान पांच सेकंड्स के दौरान ही करीब 10 गोलियां चलाई गईं।

संघीय एजेंट्स की गोलीबारी में मारा गया एलेक्स जेफ्री एक अमेरिकी नागरिक था और इलियोनिस में पैदा हुआ था। एलेक्स की पढ़ाई विस्कोंसिन में हुई और यूनिवर्सिटी ऑफ मिनेसोटा से उसने स्नातक की पढ़ाई की थी

एलेक्स जेफ्री एक रिसर्च साइंटिस्ट के तौर पर काम कर चुका था और फिलहाल एक पंजीकृत नर्स था। एलेक्स के पिता ने बताया कि संघीय एजेंट्स द्वारा जिस तरह से लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है, उससे वह बेहद परेशान था और संघीय एजेंट्स के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों में शामिल था। एलेक्स के परिजनों का कहना है कि उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं था और उसका कोई अपराधी रिकॉर्ड नहीं था।

होमलैंड सिक्योरिटी ने बयान जारी कर कहा है कि जेफ्री 9 एमएम की सेमी ऑटोमैटिक हैंडगन लेकर बॉर्डर पेट्रोल अफसरों की तरफ बढ़ा था। जिसके बाद संघीय एजेंट्स ने उसे गोली मार दी। हालांकि ये स्पष्ट नहीं किया गया कि क्या उसने अफसरों को बंदूक दिखाई थी या नहीं।

सामने आए वीडियो में दिख रहा है कि जेफ्री के हाथ में मोबाइल फोन है, लेकिन उसके पास को हथियार नहीं दिख रहा है।

एलेक्स जेफ्री के परिजनों ने संघीय एजेंट्स द्वारा उनके बेटे को घरेलू आतंकी कहने पर भी कड़ी नाराजगी जाहिर की और एक लिखित बयान जारी कर इस पर आपत्ति जताई।

तेजस्वी यादव को मिली राजद की कमान, बनाए गए पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

पटना, एजेंसी। आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एक बड़ा फैसला लिया गया है। तेजस्वी यादव को आरजेडी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। एक तरफ ये तेजस्वी यादव के लिए बड़ी उपलब्धि है, वहीं दूसरी तरफ तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बिना नाम लिए भाई पर निशाना साधा है। रोहिणी ने इसे 'कठपुतली बने शहजादा' की ताजपोशी बताया है।

RJD की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना के होटल मौर्या में हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ ही सभी प्रदेश ईकाईयों के प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों ने भाग लिया। कई प्रदेशों के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य कल ही पटना पहुंच गए थे। तेजस्वी यादव को पार्टी का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के फैसले पर अंतिम मुहर RJD सुप्रीमो और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा लगाई गई। इस बैठक में लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और मीसा भारती मौजूद रहे।

रोहिणी आचार्य ने क्या पोस्ट किया?

रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करके कहा, ₹सियासत के शिखर-पुरुष की गौरवशाली पारी का एक तरह से पटाक्षेप, ठकुरसुहाती करने वालों और 'गिरोह-ए-घुसपैठ' को उनके हाथों की 'कठपुतली बने शहजादा' की ताजपोशी मुबारक ।।'

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी की हार के बाद लालू परिवार की कलह सामने आई थी। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने एक्स हैंडल के जरिए अपने भाई तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाए थे और उनकी आलोचना की थी।

इसके बाद से रोहिणी आचार्य लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अपने भाई का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधती हैं। इससे पहले उन्होंने लिखा था, 'नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे को सवालों से भागने, सवालों से बचने, जवाब देने से मुंह चुराने, तार्किक-तथ्यात्मक जवाब देने की बजाए भ्रम फैलाने, लालूवाद व पार्टी की हित की बात करने वालों के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने की बजाए अपने गिरेबान में झांकना होगा और अगर वो चुप्पी साधता है, तो उस पर साजिश करने वाले गिरोह के साथ मिलीभगत का दोष व आरोप स्वतः ही साबित होता है।'

नेतृत्व परिवर्तन पर मुहर

बता दें कि लालू प्रसाद यादव की सेहत लगातार खराब हो रही है। वे अब सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही नजर आते हैं। डॉक्टरों की सलाह पर ही वे बाहर जाते हैं। बैठक में वे थोड़े समय के लिए ही रहेंगे। पार्टी की रोजमर्रा की गतिविधियां प्रभावित न हों, इसलिए नया पद बनाने का विचार है। बताया जा रहा है कि यह पद राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का होगा। इसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को नई जिम्मेदारियां दी जा सकती हैं। इसके साथ ही विधानसभा चुनाव में पार्टी विरोधी काम करने वालों पर कार्रवाई भी हो सकती है। इस बैठक में बिहार की मौजूदा राजनीति पर भी विचार विमर्श होगा और पार्टी जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए नए कार्यक्रम बनाएगी।

दिल्ली पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, ऑपरेशन कवच 12 .0 के तहत 24 घंटे में गिरफ्तार किए 586 लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। 12.0: दिल्ली पुलिस ने अपराधियों पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने दिल्ली में ऑपरेशन कवच 12.0 चलाया और सैकड़ों अपराधियों पर एक साथ नकेल कस दी। दिल्ली का ऑपरेशन कवच 12.0 पूरे 24 घंटे तक चला। ये ऑपरेशन 23 जनवरी 2026 शाम 6 बजे से 24 जनवरी 2026 शाम 6 बजे तक चला। इस ऑपरेशन में 147 टीमों ने 325 स्थानों पर छापेमारी की।

बता दें कि ऑपरेशन कवच 12.0 के तहत महज 24 घंटे में 1,439 लोगों को हिरासत में लिया गया। इसके साथ ही, 586 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया। इस ऑपरेशन के तहत NDPS एक्ट में भी 4 केस दर्ज किए गए हैं और 4 आरोपियों अरेस्ट किया गया है।

आर्म्स एक्ट के तहत भी हुई कार्रवाई

जान लें कि दिल्ली आबकारी अधिनियम के तहत पुलिस ने 15 केस दर्ज किए हैं। साथ ही, 22 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया है। दिल्ली पुलिस ने ऑपरेशन कवच 12.0 के तहत आर्म्स एक्ट में 15 मामले रजिस्टर किए हैं। इनमें 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ऐसे दिखा अलग-अलग यूनिट्स का समन्वय

यह ऑपरेशन में लगातार नाका चेकिंग, मोबाइल पेट्रोलिंग, तकनीकी और मानव खुफिया जानकारी पर आधारित निगरानी व दबिश देना शामिल रहा। पारदर्शिता के लिए इसका फोटो और वीडियो डॉक्यूमेंटेशन भी किया गया। ऑपरेशन कवच प्रोटोकॉल के मुताबिक, अनुशासित तरीके से एक्शन लिया गया है। स्पेशल स्टाफ, ANTF, AATS और तकनीकी निगरानी यूनिट्स ने खुफिया जानकारी डेवलप करने, रियल-टाइम कोऑर्डिनेशन और जमीनी स्तर पर इनपुट उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

325 जगहों पर पुलिस ने मारा छापा

इस दौरान, दिल्ली पुलिस ने 325 जगहों पर रेड की, 586 गिरफ्तारियां की और 1,439 लोगों को एहतियाती तौर पर हिरासत में लिया। ऑपरेशन के तहत, दिल्ली पुलिस ने 328 COTPA चालान काटे और एनडीपीएस, आबकारी, बीएनएसएस, आर्म्स एक्ट और अन्य निवारक धाराओं के अंतर्गत 165 गिरफ्तारियां कीं।

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 का ट्रेलर रिलीज, 30 जनवरी को होगी रिलीज

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है। उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है।

मर्दानी 3 के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपकी तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूं। इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है।

फिल्म मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज मर्दानी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है।

मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। दर्शकों ने ट्रेलर देख कर उनके अभिनय की तारीफ की है। रानी मुखर्जी और मल्लिका प्रसाद के अलावा इस फिल्म में जानकी बोडीवाला हैं। फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रियंका चोपड़ा की द ब्लफ का ट्रेलर जारी, परिवार के खातिर समुद्र डाकू बनीं अभिनेत्री

प्रियंका चोपड़ा जोनस की नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म द ब्लफ का ऑफिशियल ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में प्रियंका, कार्ल अर्बन के साथ जबरदस्त एक्शन करती नजर आईं। ट्रेलर में पहली बार उनके किरदार एर्सेल ब्लडी मैरी बॉडेन की झलक दिखाई गई है।

द ब्लफ के ट्रेलर में प्रियंका एक खूंखार महिला समुद्री डाकू (पाइरेट क्वीन) के रूप में नजर आ रही हैं। उनके शरीर पर जख्म के निशान हैं, खून से सनी लड़ाइयां हैं, और बहुत शानदार एक्शन सीन हैं। वो समुद्र में हिंसक झड़पों में हिस्सा लेती हैं और आमने-सामने की लड़ाई करती हैं। प्रियंका का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को बेहद पसंद आ रहा है।

द ब्लफ की कहानी पुरानी पाइरेट फिल्मों से अलग है। इसमें जिंदगी बचाने की जंग, सत्ता की लड़ाई और बहुत तगड़ा संघर्ष दिखाया गया है। एर्सेल अपना नया जीवन बचाने की कोशिश करती है, लेकिन उसका पुराना अतीत वापस आ जाता है। पुराना दल लौट आता है, तो उसे वफादारी और जिंदा रहने की मुश्किलों से जूझना पड़ता है। उसे फिर से पुराने हिंसक तरीकों का सहारा लेना पड़ता है।

द ब्लफ के निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, इसका अंत खून से सनी रेत के साथ ही होगा। द ब्लफ 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर आ रही है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और थोड़ा डार्क ह्यूमर का मिश्रण है। यह एक दमदार और क्रूर समुद्री डाकू थ्रिलर है, जो 25 फरवरी को सिर्फ प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

डबल देशभक्ति: बॉर्डर 2 की रिलीज के कुछ घंटे बाद सलमान खान की बैटल ऑफ गलवान के गाने मातृभूमि का टीजर आउट

सलमान खान स्टारर फिल्म बैटल ऑफ गलवान साल 2026 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक हैं। फिल्म आगामी अप्रैल महीने में रिलीज होने के लिए तैयार है। इससे पहले फिल्म का ट्रेलर आना बाकी है, जिसका सलमान खान के फैंस को इंतजार है। वहीं, वॉर बेस्ड देशभक्ति फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हो चुकी है। इस बीच आज सलमान खान ने भी अपनी देशभक्ति और वॉर बेस्ड फिल्म बैटल ऑफ गलवान से देशभक्ति से लबरेज गाना मातृभूमि का टीजर रिलीज कर दिया है। गाने का टीजर उस वक्त में रिलीज किया गया है, जब लोग बॉर्डर 2 को देखकर उसपर शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान के नए गाने के टीजर की बात करें तो इसमें देशभक्ति का पूरा नजारा देखने को मिल रहा है। ट्यून बिल्कुल देशभक्ति वाली वाइब्स दे रही है। सलमान खान फौजी की वर्दी में दिख रहे हैं। गाना कल यानी 24 जनवरी को रिलीज होगा और इसे अरिजीत सिंह, मास्टरमानी धर्मकोट और श्रेया घोषाल ने मिलकर गाया है। हिमेश रेशमिया ने इस गाने को म्यूजिक दिया है। इस गाने के बोल समीर अंजान ने लिखे हैं। अब सलमान खान के फैंस को इस देशभक्ति गाने का इंतजार है, जो कि कल रिलीज होने जा रहा है।

सलमान खान और चित्रांगदा सिंह स्टारर देशभक्ति फिल्म बैटल ऑफ गलवान आगामी 17 अप्रैल को रिलीज होने जा रही है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लखिया ने डायरेक्ट किया है, जो 2020 में भारत-चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर बेस्ड है। बैटल ऑफ गलवान फिल्म में सलमान खान, गलवान घाटी झड़प के शहीद हुए भारतीय सेना के अधिकारी कर्नल बी। संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं, जो उनकी एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण आर्मी रोल है, जिसमें वह देश के लिए बलिदान देने वाले एक सैनिक के रूप में दिखेंगे। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लखिया ने किया है और फिल्म में सलमान खान की हीरोइन चित्रागंदा सिंह होंगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com